Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25
www.dainikvishwapariwar.com
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 36 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शुक्रवार 07 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

गोवर्धन योजना से सीबीजी उत्पादन दस गुना बढ़ाने का लक्ष्य

■ पीएम मोदी ने बताया स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 23,731 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय वाली राष्ट्रीय चक्रीय जैव ऊर्जा योजना 'गोवर्धन' को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह योजना स्वच्छ ऊर्जा, ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भर भारत के सामूहिक लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) के घरेलू उत्पादन को लगभग दस गुना बढ़ाने, निजी निवेश आकर्षित करने और देश में चक्रीय जैव-अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि गोवर्धन योजना से सीबीजी को बड़ा बढ़ावा मिलेगा और घरेलू उत्पादन को लगभग दस गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे निवेश और नवाचार के लिए मजबूत एवं स्थिर पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा। योजना से किसानों, सहकारी समितियों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, महिला उद्यमियों और ग्रामीण उद्यमों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गोवर्धन परियोजना देश की स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह कृषि अवशेषों, गोबर, प्रेस मड (गन्ने की 'मैली'), नगरपालिका के जैविक कचरे और अन्य जैव-द्रव्यमान संसाधनों को स्वच्छ ईंधन, जैविक खाद, ग्रामीण आय

और राष्ट्रीय आर्थिक मूल्य में बदलने में मदद करेगी। इससे ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटेगी और वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। गोवर्धन योजना वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक लागू की जाएगी। इसका उद्देश्य संपीड़ित बायोगैस को देश के भविष्य के ऊर्जा मिश्रण के प्रमुख आधार के रूप में स्थापित करना है। योजना के माध्यम से सीबीजी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ इसके लिए जरूरी बुनियादी ढांचे को भी मजबूत किया जाएगा।

सुनिश्चित मांग, लाभकारी एवं स्थिर मूल्य निर्धारण, पूंजी सहायता, पाइपलाइन अवसंरचना, ऋण समर्थन और प्रौद्योगिकी विकास के माध्यम से गोवर्धन देश के सीबीजी क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने के लिए मजबूत और पूर्वानुमानित ढांचा उपलब्ध कराएगा। योजना का लक्ष्य घरेलू सीबीजी उत्पादन को लगभग दस गुना बढ़ाना, बड़े पैमाने पर निजी निवेश आकर्षित करना और पूरे देश में जीवंत चक्रीय जैव-अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। इसके तहत जैविक संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ ऊर्जा उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जोड़ने पर जोर दिया जाएगा। सरकार ने पिछले कई वर्षों में सतत पहल, जैविक खाद के लिए बाजार विकास सहायता (एमडीए) योजना, बायोमास एकत्रीकरण मशीनरी (बीएएम) योजना, पाइपलाइन अवसंरचना विकास (डीपीआई) योजना और राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के तहत सीबीजी संयंत्रों के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) के माध्यम से इस क्षेत्र की नींव मजबूत की है। प्रत्येक सीबीजी संयंत्र कृषि अवशेषों, पशु गोबर और अन्य जैविक संसाधनों के इर्द-गिर्द स्थानीय चक्रीय अर्थव्यवस्था के निर्माण में मदद कर सकता है। इससे फीडस्टॉक आपूर्ति, परिवहन, संयंत्र संचालन और जैविक खाद उत्पादन में रोजगार एवं आर्थिक अवसर पैदा होंगे।

'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान का किया शुभारंभ

■ 15 अगस्त से 26 जनवरी तक चलेगा विशेष अभियान, हर गांव में मुक्तिधाम और हर बालिका के लिए स्कूलों में बनेगा शौचालय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महानदी भवन, नवा रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में विकसित भारतङ्करोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटीङ्कमेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने घोषणा की कि 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान प्रदेश के प्रत्येक गांव में मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों के सभी शासकीय विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान बेटियों के सम्मान, ग्रामीण स्वच्छता, सामाजिक गरिमा और आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार का ऐतिहासिक कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में 286.85 करोड़ रुपए की लागत से 6,671 बालिका शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक शौचालय की लागत 4.30 लाख रुपए निर्धारित की गई है। इसी प्रकार प्रदेश के 6,524 गांवों में 391.44 करोड़ रुपए की लागत से प्रतीक्षालय सहित मुक्तिधाम बनाए जाएंगे, जिनकी प्रति इकाई लागत 6 लाख रुपए होगी। इसके अतिरिक्त 18.22 करोड़ रुपए की लागत से 549 मुक्तिधामों का भी निर्माण किया जाएगा, जिनकी प्रति इकाई लागत 3.32 लाख रुपए निर्धारित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य के 10,027 बंद अथवा डिफंक्ट बोरवेलों में 52.14 करोड़ रुपए की लागत से सैंड फिल्टर एवं रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण कराया जाएगा। प्रति इकाई लागत लगभग 52 हजार रुपए निर्धारित की गई है। इससे भू-जल स्तर में वृद्धि होगी, वर्षा जल का बेहतर संरक्षण होगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट कम करने में मदद मिलेगी।

रायपुर नगर निगम में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

■ 19 इंजीनियरों का ट्रांसफर, कई अधिकारियों को मिली अतिरिक्त जिम्मेदारी

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर निगम में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने सहायक अभियंताओं और उप अभियंताओं की नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। इसके तहत 19 इंजिनयर का जोन बदला गया है, वहीं कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। जारी आदेश के अनुसार, सहायक अभियंता रश्मि भौमना को जोन-1 से जोन-4, गुलाबचंद्र कर्ष को जोन-4 से जोन-9, आशीष श्रीवास्तव को जोन-6 से जोन-10, रेणुका खूंटे को जोन-9 से जोन-3, फराज फारुकी को जोन-10 से जोन-2, जिज्ञासा जैन को जोन-9 से जोन-7 और मनोज साहू को जोन-10 से जोन-9 भेजा

गया है। उप अभियंताओं में अबरार खान को जोन-8 से जोन-2, जयनंदन डहरिया को जोन-3 से जोन-2, अंकुर मिश्रा को जोन-8 से जोन-4, सुधीर भट्ट को जोन-2 से जोन-5, अंकिता जनार्दन को जोन-9 से जोन-5, निर्मल तिग्गा को जोन-5 से जोन-6, कृष्ण कुमार साहू को जोन-9 से जोन-6 अंकिता अग्रवाल को जोन-4 से जोन-8, मनीषा निराला को जोन-5 से जोन-8, विद्या देशलहरा को जोन-6 से जोन-9, सोहन गुप्ता को मुख्यालय से जोन-9 और अमित सरकार को मुख्यालय से जोन-10 में पदस्थ किया गया है।

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण कानून लागू

■ राजपत्र में नियम प्रकाशित, गृहमंत्री विजय शर्मा बोले

■ अवैध धर्म परिवर्तन कराने वालों का कलेजा कांपेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को लेकर बनाए गए छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम-2026 के नियम राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ ही पूरे प्रदेश में लागू हो गए हैं। राज्य सरकार ने अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत नियमावली जारी कर दी है, जिससे अब अवैध धर्म परिवर्तन के मामलों में कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी तरह स्पष्ट हो गई है। सरकार की ओर से जारी नियम चार भागों और 24 धाराओं में विभाजित हैं। इनमें धर्म

परिवर्तन की सूचना देने की प्रक्रिया, जांच, प्रशासनिक जिम्मेदारियां और कानूनी कार्रवाई से जुड़े सभी प्रावधानों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। नए नियम लागू होने के बाद अब संबंधित मामलों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाएगी। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि 4 अगस्त को अधिनियम के नियमों की अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित हो चुकी है और इसके साथ ही कानून पूरे प्रदेश में प्रभावी हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य कानून का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना और अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी रोक लगाना है।

डिप्टी सीएम ने कहा कि अब जो लोग अवैध धर्म परिवर्तन कराने या इसके लिए काम करने में शामिल होंगे, उनके खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध धर्मांतरण करने वालों का कलेजा थर-थर कांपेगा। सरकार किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगी और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्री ने बताया कि 24 धाराओं वाले इस कानून में क्रियान्वयन की पूरी व्यवस्था तय कर दी गई है।

एम्स रायपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे उपराष्ट्रपति

■ 2 सितंबर को होगा दीक्षांत समारोह, केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में होंगी शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दीक्षांत समारोह 2 सितंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) अशोक जिंदल ने अपनी धर्मपत्नी उषा जिंदल के साथ नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया। उपराष्ट्रपति ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए समारोह में मुख्य

अतिथि के रूप में शामिल होने की सहमति प्रदान की।

इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल जिंदल ने उपराष्ट्रपति को एम्स रायपुर द्वारा पिछले वर्षों में रोगी सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, डिजिटल स्वास्थ्य और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने संस्थान में रोबोटिक सर्जरी, किडनी प्रत्यारोपण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वास्थ्य अनुसंधान, जैव-चिकित्सकीय नवाचार तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में हुई प्रगति से भी अवगत कराया।

उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में एम्स रायपुर की भूमिका की सराहना की।

कॉकरोच जनता पार्टी शुरू करेगी 'क्या बोलती पब्लिक' कैंपेन

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके सितंबर से देशभर में 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान शुरू करेंगे। दीपके ने गुरुवार को महाराष्ट्र के संभाजीनगर में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम गांव-शहर जाकर युवाओं से बात करेंगे। साथ ही, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा को मुद्दा बनाएंगे।

दीपके बोले- बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है और इसे देशव्यापी मुद्दा बनाया जाएगा। हम शिक्षा सुधारों पर काम करेंगे। शिक्षा को मुनाफा कमाने का जरिया बना दिया गया है, लेकिन हम इस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं। नीट पेपर लीक को लेकर दीपके और उनकी पार्टी ने जंतर-मंतर पर 20 जून से 25 जुलाई तक, लगातार 36 दिनों तक धरना दिया था। 25 जुलाई को तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP ने धरना समाप्त करने की घोषणा की थी।

छत्तीसगढ़ को भारत की ऊर्जा व मिनरल अर्थव्यवस्था का अग्रणी बनाने का विजन

■ केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने अनेक सांसदों की उपस्थिति में अधिकारियों को निर्देश

नई दिल्ली। संसद की कोयला एवं खान मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक में रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने वाणिज्यिक कोयला खनन सुधार एवं राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन (NCMM) पर चर्चा के दौरान छत्तीसगढ़ के दीर्घकालिक हितों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषय प्रमुखता से उठाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि छत्तीसगढ़ केवल देश की ऊर्जा सुरक्षा का आधार ही नहीं, बल्कि भविष्य की क्रिटिकल मिनरल आधारित औद्योगिक अर्थव्यवस्था का भी सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बनने की क्षमता रखता है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में क्रिटिकल मिनरल्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होने जा रही है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, रक्षा, अंतरिक्ष,

स्वच्छ ऊर्जा तथा आधुनिक विनिर्माण जैसे क्षेत्रों की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा का वैज्ञानिक एवं दीर्घकालिक दृष्टिकोण से उपयोग किया जाना आवश्यक है।

बैठक में श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ में Critical Mineral Processing Park की स्थापना, Centre of Excellence के विकास, अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने, आधुनिक खनिज प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण, मूल्य संवर्धन, कौशल विकास तथा खनिज आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता पर विस्तार से अपने सुझाव रखे।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के बैनर तले आंदोलन की शुरुआत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की नगरीय व्यवस्था पर बड़ा संकट मंडरा रहा है। प्रदेश के नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में काम करने वाले करीब 20 हजार प्लेसमेंट और आउटसोर्स कर्मचारी गुरुवार से बेमियादी हड़ताल पर उतर गए हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार एक ही विभाग में दो तरह की व्यवस्था चला रही है। कुछ कर्मचारियों को संविदा दर पर वेतन दिया जा रहा है, जबकि वर्षों से काम कर रहे हजारों कर्मचारियों को आज भी कलेक्टर दर पर मजदूरी मिल रही है।

तूता से शुरु हुई आर-पार की लड़ाई

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के बैनर तले आंदोलन की शुरुआत रायपुर के तूता धरना स्थल से हुई है। पहले चरण में संभाग स्तरीय प्रदर्शन रखा गया है, लेकिन इसका असर पूरे प्रदेश के 192 नगरीय निकायों तक पहुंचेगा। महासंघ ने साफकर दिया है कि जब तक सरकार मांगों पर फैसला नहीं लेती, तब तक कर्मचारी काम पर नहीं लौटेंगे।

महासंघ का सबसे बड़ा सवाल सरकार से यही है। संगठन का कहना है कि नगरीय प्रशासन संचालनालय के यांत्रिकी प्रकोष्ठ में प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए रखे गए कंप्यूटर ऑपरेटर, वाहन चालक और अन्य कर्मचारियों को 24 अगस्त 2023 के आदेश के तहत संविदा दर से वेतन दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में 15 से 20 साल से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों को आज भी कलेक्टर दर पर भुगतान किया जा रहा है। आखिर एक ही विभाग में दो नियम क्यों लागू हैं?

जेन-जी हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार और देशभक्त : मोहन भागवत

■ हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो आंदोलन हुआ

मुंबई। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को मुंबई में जेन-जी और जेन-अल्फा को 1 घंटे तक संवाद किया। उन्होंने कहा कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है। उन्होंने कहा- हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। उन्होंने ये बात मुंबई में इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस यानी ढ्ढद्बस्ह्व की 15वीं वर्षगांठ पर कही। प्रोग्राम में 11 से 19 साल की उम्र के करीब 2,000 छात्र शामिल हुए। नीट पेपर लीक के खिलाफदेशभर में प्रदर्शनों के बाद इसे आरएसएस का युवाओं के साथ सबसे अहम संवाद माना जा रहा है। जंतर-मंतर पर 36 दिन चले आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था।

सरकार की गलती पर: आंदोलन तब

होता है, जब बातचीत नाकाम हो जाती है। अगर सरकार ने पहले ही बात कर ली होती, तो आंदोलन की जरूरत नहीं होती। आंदोलन भी बातचीत का एक तरीका है। जेन-जी की सोच पर: हम लोग जब जेन-जी की उम्र में थे, तब बड़े जो कहते थे, हम मान लेते थे, सवाल नहीं करते थे। आज की जेन-जी सवाल करती है। उन्हें जवाब चाहिए और प्यार भी चाहिए।

जेन-जी के अधिकार पर: जेन-जी को आंदोलन नहीं करना चाहिए, यह तो हम नहीं कहेंगे। संविधान में लिखा है कि प्रदर्शन करना चाहिए, लेकिन यह कैसे करना है, उसे देखना चाहिए। जेन-जी के विरोध पर: हमें भी देखना होगा कि अगर जेन-जी चिल्ला रही है, तो कोई तकलीफहै, तभी चिल्ला रही है। आंदोलन हमारे या आपके खिलाफ नहीं, बल्कि सिस्टम में सुधार के लिए होना चाहिए

जेन-जी पर देश विरोधी होने के आरोप पर: अगर जेन-जी आंदोलन कर रही है, तो वह एंटी-नेशनल नहीं है। वे अपने लोग हैं, हमारी अगली पीढ़ी हैं। उनसे हमारा संबंध है। उन्हें हमारी बात समझनी चाहिए और हमें उनकी बात समझनी चाहिए।

जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज पर: यह क्यों हुआ, किसलिए हुआ, उसका कारण जानना होगा। इसे देखकर तय करना होगा कि कहां गड़बड़ है। मैं भी पढ़कर बता रहा हूं। कुछ उपद्रवी शामिल हुए, यह न्यूज पेपर में पढ़ा है। अगर मुझे आंख मूंदकर भरोसा करना है, तो मैं जेन-जी पर कर सकता हूं। शिक्षण संस्थानों की दुर्दशा पर: शिक्षा कमर्शियल बिजनेस नहीं है। वह सर्वसुलभ हो, ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर होना चाहिए। ऐसा किसी ने नहीं कहा कि सरकार ही पूरी शिक्षा चलाए। हमें भी सहयोग करना होगा। तभी सुधार होगा। बाद में पाठ्यक्रम की बात आनी चाहिए।

भारत-रूस रक्षा सहयोग को नई मजबूती

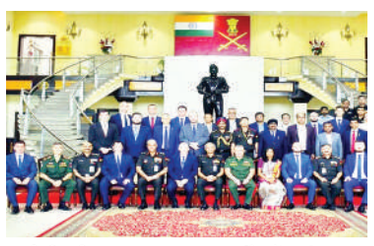

नई दिल्ली। भारत-रूस आर्मी लैंड सिस्टम सब-ग्रुप की पांचवीं बैठक में दोनों देशों ने आपसी विश्वास को और मजबूत करने तथा रक्षा उद्योग और तकनीकी क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। 4 से 7 अगस्त तक चल रही चार दिवसीय बैठक का आयोजन भारत-रूस इंटरगवर्नमेंटल कमीशन ऑन मिलिट्री एंड मिलिट्री टेक्निकल कोऑपरेशन के तहत किया जा रहा है। बैठक का उद्देश्य भारत और रूस के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है। दोनों पक्षों ने रक्षा उद्योग और तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाने के साथ-साथ आपसी विश्वास को और गहरा करने पर जोर दिया।

जीवन में संघर्ष से मिली सफलता ही इतिहास रचती है : राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा

बलौदाबाजार के ऐतिहासिक विकास और युवाओं के स्वर्णिम भविष्य के लिए प्रतिबद्ध

रायपुर (विश्व परिवार)। जिला के तिल्दा विकासखंड के ग्राम बहेसर और तुलसी मार्ग के बीच की दूरी को कम करने वाली नई सडक़ के भूमिपूजन अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि जीवन में संघर्ष से मिली सफ्लता ही इतिहास रचती है। एक साधारण परिवार या मजदूर का बच्चा जब मेहनत के बल पर आईएएस या आईपीएस बनता है, तो वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। उन्होंने युवाओं से महापुरुषों के विचारों से सीख लेते हुए बिना किसी नकारात्मक प्रतिस्पर्धा के एक-दूसरे के सहयोग से आगे बढने का आह्वान किया।

मंत्री श्री वर्मा ने ?क्षेत्रीय जनभावनाओं और बुनियादी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की सौगात दी। जिसमें बहेसर में साइकिल स्टैंड निर्माण के लिए 5 लाख रुपये, रंगमंच के समीप ज्योति कलश हेतु 5 लाख रुपये और रघुनंदन वर्मा के घर से मुख्य मार्ग तक सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की घोषणा शामिल है। इसके साथ ही शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बहेसर के प्राथमिक शाला में दो नए कमरों के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये तथा जर्जर हो चुके पूर्व माध्यमिक शाला भवन के पुनर्निर्माण हेतु 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की। उन्होंने विश्वास जताया कि ये सभी कार्य क्षेत्र के विकास को एक नई दिशा देंगे।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों से पूरे प्रदेश का कायाकल्प हो रहा है। छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने अपने राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन के सफर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने एक प्राथमिक शाला के शिक्षक के रूप में अपनी सेवा की शुरुआत की थी। उनका उद्देश्य सत्ता, पैसा या रुतबा हासिल करना कभी नहीं रहा, बल्कि बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र में ऐसे ऐतिहासिक कार्य करना है जिन्हें हमेशा याद रखा जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र पर काम कर रही है। किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को आर्थिक संबल देने का कार्य कर रही है।

रेलवे स्टेशन में पकड़ी गई एनालॉग पनीर विदिशा के किस भाजपा नेता की कम्पनी की है?कार्यवाही से पीछे क्यों हट रहे है : कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाई गई है। बीते दो साल से तो सरकार एनालॉग पनीर बनाने के लिए लाइसेंस जारी कर रही थी, अब प्रतिबंध लगा रहे है। कार्यवाही में भी भेदभाव किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन में पकड़ी गई पनीर किस भाजपा नेता के बेटे के फेक्ट्री से आयी है? सरकार कार्यवाही करने से परहेज क्यों कर रही है? जब एनालॉग पनीर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तो बनाने लाइसेंस क्यों दिया गया? जनता की स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ क्यों किया गया? आज प्रतिबंध के बावजूद बाजार में बेचे जा रहे है। जनता को असली और एनालॉग पनीर में फर्क पता ही नहीं है, ऐसे में इस प्रतिबंधित एनालॉग पनीर को रोकने की कार्यवाही कौन करेगा?

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर

नगर निगम मुख्यालय, रंग मंदिर के पास, गांधी चौक, छोटापारा, रायपुर (छ.ग.)

Pho, no. 0771-2535780,90, Fa&. 077172227395, E-mail- dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांक/1/311664/2026/क, अ / .फि प्लांट/न.नि./26 रायपुर, दिनांक 06-08-2026

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा नगर निगम एवं अन्य शासकीय अथवा अर्दशासकीय विभागों में कार्य के अनुभवी एवं सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्म से निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित समयावधि में सील बंद निविदाए आमंत्रित की जाती है। सभी सील बंद निविदाएं स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक से कार्यपालन अभियंता, फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम रायपुर को प्रेषित की जावेगी। निविदा खोलने के समय ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है।

विवरण निम्नानुसार है:-

1. आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय- 13/08/2026 सांयकाल 5.00 बजे तक
2. परीक्षण उपरांत योग्य निविदाकारों को निविदा-जारी करने की अंतिम तिथि 17/08/2026 सांयकाल 2.00 बजे तक
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय - 20/08/2026 सांयकाल 3.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय- 2.4.1.08./2026 सांयकाल 4.00 बजे तक

क्र.	विवरण	प्राक्कलन राशि	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	प्रपत्र का प्रकार
1.	नीर पंप हाउस स्थित 11KV/433V, 750 KV ट्रांसफार्मर के रिवाईडिंग कार्य कराये जाने बाबत ।	8,28,637.00	8,500.00	750.00	03 माह	B

निविदा की शर्तें:-

5. निविदा से संबंधित अन्य शर्ते एवं जानकारी कार्यालयीन तिथि/समय में फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम, रायपुर रावणभाठा से प्राप्त की जा सकती है।
6. अमानती राशि (FDR) आयुक्त महोदय, नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।
7. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार आयुक्त, न.पा.नि. रायपुर को होगा।
8. निविदाकारो को लिफाफा "अ" में अमानती राशि का FDR, निविदा प्रपत्र के मूल्य का Card/GST Certificate/PWD Registration/x Year Ta& Return इत्यादि दस्तावेज की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करना होगा तथा लिफाफा "ब" में निविदा दर, डाउनलोड किये गये निविदा प्रपत्र में अंको एवं शब्दों में स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। निविदा दर में कांट-छांट नही होना चाहिए। दोनो लिफाफा को एक अलग से बड़े लिफाफा में भरकर सीलबंद कर जमा करना होगा।
9. निविदाकारो को लिफाफा "अ" में आमानती राशि का FDR, निविदा प्रपत्र के मूल्य का DD एवं Pan Card/GST Certificate/PWD Registration/x year ta& return इत्यादि दस्तावेज की सत्यापित प्रतिलिपि सही पाये जाने के उपरात ही लिफाफा "ब" खोला जावेगा।

कार्यपालन अभियंता
फिल्टर प्लांट
नगर पालिक निगम, रायपुर

मोदी राज में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ गयी है : कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने 12 सालो में एक भी वादा पूरा नहीं किया। भाजपा की हर गारंटी फेल, झूठी वादाखिलाफी और कोरी लफ्फाजी ही मोदी की गारंटी है। भाजपा ने अपने 2014 के घोषणापत्र में 25 करोड़ नौकरियां निर्मित करने का वादा किया था। केंद्र सरकार ने माना कि 2014 के बाद से केवल 1.2 करोड़ नौकरियां निर्मित हुई हैं। यह मूल गारंटी का बीसवां हिस्सा भी नहीं है। वर्तमान में, 25 से कम आयु के दस में से चार स्नातक बेरोजगार हैं। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन (ढ्रस्ह्र) की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल बेरोजगारों में से 83 परसेंट बेरोजगार युवा है।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है, महंगाई से देश के नागरिकों की कमर टूटती जा रही है। 2014 में जो गैस का सिलेंडर 410 रुपये का था, आज वह 1017 रु. के पार है वह भी मिल नहीं रहा। पेट्रोल के दाम 70 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 108 रु. प्रति लीटर के पार हो गए हैं जबकि डीजल के दाम 55 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 101 रु. प्रति लीटर के करीब पहुंच गए हैं। मोदी सरकार ने महंगाई से जूझ रही जनता एवं मंदी की मार झेल रहीं व्यवसायिक संस्थानों, उद्योगों पर कुठाराघात किया है। घरेलू कमर्शियल सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी कर दिया।

कार्यालय नगर पंचायत पिपरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

Email ID: cmopipariya@gmail.com

क्रमांक 1118/लो.नि.वि./ न.पं./2026-27 पिपरिया दिनांक 06.08.2026

।। मैनुअल पद्धति से प्रथम निविदा आमंत्रण ।।

न.पं. पिपरिया क्षेत्रांतर्गत 15वें वित्त आयोग व विधायक निधि अंतर्गत कराये जाने वाले प्रस्तावित निर्माण कार्य कराये जाने हेतु एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड डाक / पंजीकृत डाक के माध्यम से निवदि प्रपत्र 'ए' में प्रचलित एस.ओ.आर. CGPWD Building SOR & PWD Electrical SOR we.f. 10.06.2026. PWD Road SOR 15.06 2026 PHE SOR 01.06 2020 से प्रतिशत दर पर (निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसार) आमंत्रित की जाती है। निर्धारित निविदा प्रारूप विभागीय वेबसाईट से डाउनलोड की जा सकती है।

1) निविदा प्रारूप में पंजीकृत डाक से निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि :- 31.08.2026 दोपहर 03:00 बजे तक
2) प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि :- 31.08.2026 शाम 04:00 बजे तक

टीप:- उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से एवं कार्यालय के सूचना पटल में कार्यालयीन समय मे प्राप्त की जा सकती हैं।

ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

1120/लो.नि.वि./न.पं./2026-27 पिपरिया दिनांक 06.08.2026

क्रमांक एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा (Online) S.O.R. percentage rate Tender And Contract For Works)C.GP.W.D. (E & MS.O.R. 10.06.2026) AS PER P.H.E S.O.R JUNE 2020 & AMDT. 07/2022-2023 (समान / कम/अधिक पर) दिनांक 31.08.2026 समय शाम 05:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है :-

No.	System Tender No.	Description	Cost (In Lacks)
1	197004	वार्ड क्र. 15 सोमनाथ साहू के दुकान से शास. महा विद्यालय पहुंच मार्ग तक प्रकाश व्यवस्था हेतु एल.ई. डी. स्ट्रीट लाईट स्थापना कार्य	12.64
2	197005	वार्ड क्र . 15 सोमनाथ साहू के दुकान से कॉलेज पहुंच मार्ग, बिजली ऑफिस मार्ग तक पाईप लाईन विस्तारीकरण एवं नलकूप खनन कार्य	28.46

नगर पंचायत के करों का भुगतान समय पर करें
स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत निर्माण में योगदान दें।
पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें..

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पिपरिया

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)

अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32975/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 28-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32975
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **54** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652N01160** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SEEMA SONKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANOHAR LAL SONKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **गौरव शर्मा 2 श्रीमती वर्षा शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता राजेन्द्र शर्मा 2 पति गौरव शर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)

मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34102/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34102
वार्ड का नाम- 20 - रामकृष्ण परमहंस वार्ड वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **20** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802C0405A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **FEKAN BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DELURAM SINHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **USHA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AJAY KUMAR SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र मल्माबिकरीनामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)

शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34182/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34182
वार्ड का नाम-14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **14** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220D00040** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SONIYA PIRMANI W/O LT. SACHIN PIRMANI, UDIT PRIMANI S/O LT SACHIN PIRMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री भीशम तलरेजा पिता - श्री प्रेमचंद तलरेजा 2 श्री राकेश कुमार तलरेजा पिता - श्री प्रेमचंद तलरेजा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)

शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34179/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34179
वार्ड का नाम-14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **14** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220D00040** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SONIYA PIRMANI W/O LT. SACHIN PIRMANI, UDIT PRIMANI S/O LT SACHIN PIRMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्रीमती रवीता पति - श्री रवि कुमार धारवानी 2 श्रीमती सपना पति - श्री मनेश कुमार धारवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)

शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34177/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34177
वार्ड का नाम-14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **14** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220C0195K** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHOURYA SINGH SISODIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIKARAM SINGH SISODIA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **महावीर ओवरसीज प्रा. लि. 1. श्री दीपक लोढ़ा पिता - श्री गौतम चंद लोढ़ा 2. श्री जय लोढ़ा पिता - श्री गौतम चंद लोढ़ा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)

शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34181/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34181
वार्ड का नाम-14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **14** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220D00040** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SONIYA PIRMANI W/O LT. SACHIN PIRMANI, UDIT PRIMANI S/O LT SACHIN PIRMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री संदीप कुमार पिता - श्री आचरमल 2. श्री हरेश कुमार पिता - श्री मुनोरम प्रताब लाल पिता - श्री रमेश** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,

सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **सामान्य आवास योजनांतर्गत दोंदेखुर्द जिला-रायपुर** में स्थित भवन **क्रमांक सीनियर एल.आई.जी.-273, श्री सुदीप गंगोपाध्याय पिता श्री बासाबेंदरा गंगोपाध्याय** के नाम पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड **दिनांक 10.01.2011** पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर **दिनांक 28.01.2011** को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में आबंटी **श्री सुदीप गंगोपाध्याय पिता श्री बासाबेंदरा गंगोपाध्याय निवासी-म.नं.-273 हाउसिंग बोर्ड कालोनी दोंदेखुर्द रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को **श्री सत्यम दुबे पिता श्री राम नरेश दुबे निवासी-सिमरापाटी बहोरीबन्द कटनी (म.प्र.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)

पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34070/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34070
वार्ड का नाम- 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **32** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328W00292** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUNITA YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRAMOD YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. RATNAKAR BEHERA 2. SANGYA SARIMITA SETH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. DEBARAJ BEHERA 2. RATNAKAR BEHERA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)

मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34157/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34157
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **21** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813G00024** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **TUSCON ENGINEERING WORKS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. AKASH GUPTA S/O DINESH KUMAR GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. NEHA CHOUHAN W/O AKASH GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)

मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34126/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34126
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **21** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813F1155C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ABHA SOLANKI W/O INDRAJEET SINGH SOLANKI 2. IBHA SOLANKI W/O DURGESH SINGH SOLANK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. AMIR JAVED S/O JAVED HUSSAIN 2.ANISH JALIYAVALA S/O MO YAKUB JALIYAVALA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **3. JAINAB JALIYAVALA S/O ANISH JALIYAVALA 4 AFROZ ALAM ANSARI S/O MEHBOOB SHOBHI ANSARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)

मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34131/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34131
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **21** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813A00395** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **T.N. JHON** पिता/पति, श्री/श्रीमती **P.N.JHON** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MALANKARA CATHOLIC CHURCH SOCIETY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-05 (भनपुरी) तहसील व जिला रायपुर

सीमांकन के संबंध में आम-सूचना

दिनांक 28/07/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **आवेदक जितेन्द्र कुमार साव पिता दुर्गा प्रसाद साव एवं अन्य निवासी - नेहरू नगर भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.)** द्वारा आवेदित ग्राम गोंदवारा प.ह.नं. 37 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-05 (भनपुरी) स्थित भूमि खसरा **नंबर 220/8 रकबा. 0.0310** हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के ज्ञापन क्र. क/वाचक/अति. तह0/वर्ष 2026 रायपुर के आदेश **दिनांक 13-07-2026** के परिपालन में **दिनांक 11.08.2026** को समय 2:00 बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त दिनांक / समय तक **पटवारी हल्का नंबर 37** के **गोंदवारा** स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

मुहर
राजस्व निरीक्षक
रायपुर - 05 (भनपुरी)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

इश्तिहार

क्रमांक // अ-6/2025-26
रायपुर, दिनांक 03/08/2026
ग्राम पंडरीतराई प0ह0नं0 47, तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, **आवेदिका कमला सेन पति राम बिलास सेन पिता रामखिलावन श्रीवास निवासी जिला अस्पताल के पास लोधीपारा रायपुर (छ0ग0)** द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम पंडरीतराई **प.ह.नं. 47 रा.नि.मं. रायपुर 12 तहसील व जिला रायपुर** स्थित परिवर्तित भूमि शीट नंबर 46, **भूखण्ड क्रमांक 2/5, रकबा 920 वर्गफुट भूमि** आवेदिका की माता **गनेसिया बाई पति स्व. रामखिलावन** के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदिका की माता / खातेदार गनेसिया बाई पति स्व. रामखिलावन की मृत्यु **दिनांक 06/05/2026** को तथा आवेदिका के पित्ता रामखिलावन श्रीवास की मृत्यु **दिनांक 25/11/2011** को हो चुका है। जिनके विधिक **वारिसान कमला सेन पिता रामखिलावन श्रीवास है,** इसके अतिरिक्त अन्य कोई वारिसान नही है। अत: उक्त आवेदित भूमि से मृतक खातेदार का नाम विलोपित कर विधिक वारिसान के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

अत: आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई **दिनांक 17/08/2026** तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज **दिनांक 03/08/20206** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
रायपुर छ.ग.

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 07 अगस्त 2026

सिद्धबाबा गेट रेलवे समपार 385 अस्थायी रूप से बंद रहेगा

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल अंतर्गत भाटापारा एवं हथबंद रेलवे स्टेशनों के मध्य स्थित रेलवे समपार फाटक क्रमांक 385 (कि.मी. 766/14-16), जिसे सिद्धबाबा गेट के नाम से जाना जाता है, पर मिडिल लाइन में अत्यावश्यक मरम्मत कार्य किया जाना है। इस कार्य के कारण उक्त समपार फाटक पर दिनांक 07 अगस्त, 2026 (शुक्रवार) प्रात: 09:00 बजे से दिनांक 10 अगस्त, 2026 (सोमवार) सायं 06:00 बजे तक सड़क यातायात का आवागमन पूर्णत: बंद रहेगा। रायपुर रेल मंडल आमजन एवं वाहन चालकों से अनुरोध करता है कि उक्त अवधि के दौरान असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले शासन की योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री साय

■ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का करें समयबद्ध क्रियान्वयन

रायपुर (विश्व परिवार)। शासन की योजनाओं का प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित कर आमजन को अधिकतम लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। डबल इंजन सरकार का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना है। इसी दृष्टि से शासन की प्रमुख योजनाओं और जनसेवाओं की नियमित निगरानी के लिए विकसित पारस (Project Assessment, Review and Analysis System) पोर्टल सुशासन का एक प्रभावी माध्यम बनेगा।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित पारस पोर्टल की पहली राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने सीएम हेल्पलाइन 1076, सेवा सेतु, एग्रीस्टैक, विकसित भारत जी-रामजी, डीबीएन वित्तपोषित मोबाइल टॉवर परियोजना तथा स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े प्रमुख कार्यक्रमों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप परिणाम सुनिश्चित करे।

सीमांकन मामलों में लापरवाही पर मुख्यमंत्री की नाराजगी

बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने राजस्व विभाग में सीमांकन से संबंधित लंबित मामलों पर विशेष नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हो रही हैं और सक्षम अधिकारी के आदेश के बाद भी कई मामलों में समय पर सीमांकन नहीं हो रहा है। यह स्थिति आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी में डालती है तथा प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीमांकन संबंधी प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह जमीनी स्तर पर लापरवाही तथा जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग के अभाव का परिणाम है। सभी कलेक्टर नियमित समीक्षा कर ऐसे मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करें।

एग्रीस्टैक में शत-प्रतिशत किसान पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एग्रीस्टैक में प्रत्येक पात्र किसान का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह केवल धान खरीदी की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की आधारभूत व्यवस्था है।

आंजनेय विश्वविद्यालय का परचम, फैशन डिजाइन विभाग की छात्राओं ने जीता 'बेस्ट अवांट-गार्डे कलेक्शन अवॉर्ड'

रायपुर (विश्व परिवार)। आंजनेय विश्वविद्यालय के फैशन डिज़ाइन विभाग की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। मुंबई में 23 जुलाई 2026 को आयोजित प्रतिष्ठित जेडी डिज़ाइन अवॉर्ड में विश्वविद्यालय की छात्राओं ने 'बेस्ट अवांट-गार्डे कलेक्शन अवॉर्ड' अपने नाम कर एक नई उपलब्धि हासिल की।

यह सम्मान छात्राओं की रचनात्मक सोच, मौलिक डिजाइन, प्रयोगधर्मी शैली और उत्कृष्ट शिल्प कौशल का प्रमाण है। उनके द्वारा प्रस्तुत कलेक्शन में आधुनिक फैशन की नई संभावनाओं को बेहद कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने निर्णायकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

इस उपलब्धि को हासिल करने वाली छात्राओं में गीतू रानी साहू, जानवी वर्मा और बी. रोशनी शामिल हैं। इन तीनों ने अपनी मेहनत, कल्पनाशीलता और तकनीकी दक्षता के बल पर यह प्रतिष्ठित सम्मान अर्जित किया।

यह उपलब्धि न केवल फैशन डिज़ाइन विभाग के लिए गर्व का विषय है, बल्कि आंजनेय विश्वविद्यालय की उस शैक्षणिक सोच को भी दर्शाती है, जिसमें विद्यार्थियों को केवल कक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अभिषेक अग्रवाल ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी मेहनत, समर्पण और रचनात्मक क्षमता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आंजनेय विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को नवाचार, कौशल और व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। ऐसी उपलब्धियाँ अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

विश्वविद्यालय परिवार ने इस सफलता के लिए छात्राओं के साथ-साथ फैशन डिज़ाइन विभाग के सभी शिक्षकों एवं मार्गदर्शकों को भी बधाई दी, जिनके सतत मार्गदर्शन और सहयोग से यह उपलब्धि संभव हो सकी। विश्वविद्यालय ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी उसके विद्यार्थी विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए संस्थान का नाम रोशन करेंगे।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की संवेदनशील पहल

■ बाल देखरेख संस्थाओं के अनाथ एवं निराश्रित बच्चों को कौशल, प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ने बैंकिंग और सामाजिक संस्थाओं का साझा प्रयास

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत अनाथ एवं निराश्रित बच्चों के पुनर्वास, कौशल विकास और आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय पहल की है।

इसी क्रम में उन्होंने अपने निवास कार्यालय में एक्सिस बैंक के भारत प्रमुख श्री विजय तथा कैटलिस्ट फॉर सोशल एसोसिएशन की भारत प्रमुख सुश्री स्मिता रांधे से मुलाकात कर बच्चों को व्यावसायिक प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और रोजगारोन्मुख अवसरों से जोड़ने के विषय पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में एक्सिस बैंक के सी.एस.आर. फंड के माध्यम से बाल देखरेख संस्थाओं में रहने वाले बच्चों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने, कौशल आधारित प्रशिक्षण देने तथा उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए ठोस सहयोग पर विचार-विमर्श किया गया। यह पहल बच्चों को केवल संरक्षण तक सीमित न रखकर उन्हें सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन की दिशा देने का प्रयास है।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि 'अनाथ और निराश्रित बच्चों को शिक्षा, कौशल और रोजगार से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि बाल देखरेख संस्थाओं में रहने वाला प्रत्येक बच्चा आत्मविश्वास के साथ समाज की मुख्यधारा में आगे बढ़े।'

उन्होंने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व सामुदायिक सहयोग से बाल संरक्षण एवं बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत बच्चों के सामाजिक पुनर्वास के लिए यह पहल प्रारंभ की गई थी।

एनालॉग पनीर निर्माण व विक्रय प्रतिबंधित, खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने चलाया सघन जांच अभियान

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जारी हालिया प्रतिषेध आदेश के तहत राज्य में फ्रेजन डेजर्ट, प्रोसेस्ड चीज़ और मिक्स्ड फेट स्प्रेड जैसी मानकीकृत श्रेणियों को छोड़कर असली पनीर की नकल करने वाले सभी वनस्पति वसायुक्त गैर-दुग्ध एनालॉग पनीर के विनिर्माण, भंडारण, परिवहन और विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा डेयरी एवं दुग्ध संग्रहण केन्द्रों का सघन निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में बुधवार को भाटापारा के विभिन्न प्रतिष्ठानों में एनालॉग पनीर की उपलब्धता की सघन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान लाल बहादुर शास्त्री बार्ड, पटपर स्थित नर्मदा दूध संकलन केंद्र की भी जांच की गई, जहां परिसर में स्वच्छता संबंधी कमियां पाई गई। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत प्रतिष्ठान को कड़ी चेतावनी के साथ सुधार नोटिस जारी किया गया है। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और डेयरी संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे असली डेयरी पनीर के नाम पर उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार का कृत्रिम या एनालॉग पनीर न परोसें।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के दिशा-निर्देशानुसार, जिला खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा भाटापारा शहर में एक विशेष आई.ई.सी.गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय खाद्य कारोबारकर्ताओं को स्वच्छ, सुरक्षित और मानक ग्तर के खाद्य पदार्थों के विक्रय के प्रति जागरूक करना था। अभियान के दौरान साथ सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने भाटापारा शहर के विभिन्न मुख्य बाजारों, मिष्ठान भंडारों, डेयरी दुकानों, किराना स्टोर्स और होटल संचालकों से सीधा संपर्क किया। अधिकारियों ने कारोबारकर्ताओं को खाद्य गुरक्षा से संबंधित विशेष रूप से तैयार किए गए सूचनात्मक पंपलेट वितरित किए और उनका बारीकी से अध्ययन कराया। सभी विक्रेताओं को अपनी कमियों को तुरंत मुधारने की सलाह दी गई है, ऐसा न करने पर भविष्य में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ सावन तीज महोत्सव : एक स्वर्णिल एवं संवेदनशीलता से परिपूर्ण आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में दिव्यांग महिलाओं के लिए आयोजित सावन तीज महोत्सव अत्यंत भव्य, पावन और स्मरणीय रहा। यह महोत्सव केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि दिव्यांगता के प्रति समाज का नजरिया बदलने का एक महाअभियान सिद्ध हुआ।

आयोजन की मुख्य विशेषताएँ

विशेष समर्पण: यह सावन तीज महोत्सव विशेष रूप से दृष्टिबाधित, कर्णबाधित, अस्थिबाधित एवं अन्य विशेष आवश्यकता वाली महिलाओं को समर्पित था।

सुगम्यता एवं प्रबंध: अस्थिबाधित बहनों की सुविधा का पूरा ध्यान रखते हुए आयोजन स्थल को पूरी तरह से बाधारहित और सुगम्य बनाया गया था। दृष्टिबाधित महिलाओं के लिए विशेष रूप से स्पर्श और ध्वनि आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सुंदर प्रबंध किया गया था। सुरक्षा, खान-पान और विश्राम के अत्यंत पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

सांस्कृतिक उल्लास: हरे-भरे परिधानों और पारंपरिक श्रृंगार में सजी दिव्यांग महिलाओं ने सावन के प्राकृतिक सौंदर्य को जीवंत कर दिया। मंच पर उन्होंने अपनी शारीरिक सीमाओं को लांघकर भावपूर्ण और ऊर्जावान प्रस्तुतियां दीं।

राष्ट्रगान एवं राज्य गीत: बिटिया अरुणिमा शर्मा द्वारा कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगान और राज्य गीत की प्रस्तुति ने पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

नवोदय स्थापना दिवस पर विविध प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

■ रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

कुनकुरी (विश्व परिवार)। जवाहर नवोदय विद्यालय, कुनकुरी में नवोदय स्थापना दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा दिनभर शैक्षिक, साहित्यिक, खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विशेष प्रार्थना सभा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने नवोदय विद्यालय समिति की गौरवशाली यात्रा को याद करते हुए विद्यालय की निरंतर प्रगति और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विशेष प्रार्थना सभा में विद्यालय के पूर्व छात्र एवं वर्तमान शिक्षक मुकेश कुमार सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने नवोदय जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि नवोदय विद्यालय केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि अनुशासन, संस्कार, नेतृत्व, राष्ट्रीय एकता और सेवा भावना विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों से नवोदय की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने और जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने का आह्वान किया।

स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित अंतरसदनीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सभी सदनों के खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया, वहीं जीवन के रंग, नवोदय के संग विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने नवोदय के अनुभव, शिक्षा, संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण में इसकी भूमिका पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री की पत्रकार वार्ता पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज का पलटवार

■ अब मनरेगा की प्राथमिकता में रोजगार देना नहीं, निर्माण कार्य है : दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा सरकार मनरेगा के स्वरूप को बदलकर मजदूरों गरीबों के हक रोजी-रोटी को समाप्त करने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अब मनरेगा की प्राथमिकता में रोजगार देना नहीं निर्माण कार्य है। मनरेगा को अप्रत्यक्ष रूप से बंद करने का षड़यंत्र किया जा रहा। मनरेगा में स्कूलों में शौचालय और मुक्तिधाम बनाने जा रहे, इन कामों में तो मजदूरों को रोजगार कम मिलेगा तथा ज्यादा खर्च निर्माण सामाग्री पर खर्च होगा। इस फैसले से मनरेगा शुरू करने का उद्देश्य समाप्त हो रहा है। अब मनरेगा के बजट का बड़ा हिस्सा 40 प्रतिशत मजदूरों के भुगतान पर नहीं सामाग्री खरीदने तथा मशीनों से काम पर होगा। इस योजना का उद्देश्य मजदूरों से काम करवा कर उनको रोजगार देना है न कि योजना मूलक योजना है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार जीरामजी योजना में मजदूरों का हक मार रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि केंद्र सरकार ने जब मनरेगा के स्वरूप को बदलकर जीरामजी किया तभी से यह अंदेशा व्यक्त किया जा रहा था कि इस योजना को भाजपा सरकार बंद करना चाह रही है। साय सरकार के फैसले से यह आशंका सही साबित हो गयी कि मनरेगा को बंद ही कर दिया जा रहा है।

दो दिवसीय विशेष वारंट तामीली अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले थाना प्रभारियों को पुलिस आयुक्त ने किया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा डीसीपी सेंट्रल जोन क्षेत्र में संचालित दो दिवसीय विशेष वारंट तामीली अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला (भा.पु.से.) और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, श्री तुकाराम कांबले (भा.पु.से.) द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि डीसीपी सेंट्रल जोन श्री तारकेश्वर पटेल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री विवेक शुक्ला के पर्यवेक्षण में संचालित विशेष अभियान के दौरान सेंट्रल जोन के सभी थाना क्षेत्रों में कुल 143 वारंटों की प्रभावी तामील की गई थी। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा योजनाबद्ध रणनीति, तकनीकी विश्लेषण, स्थानीय सूचना तंत्र एवं सतत प्रयासों के माध्यम से लंबे समय से फरार वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई, जिसके उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए।

अभियान में सराहनीय कार्य के लिए परिवीक्षाधीन उप पुलिस अधीक्षक अमित कोसमा, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक सतीश सिंह गहरवार, थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक यमन देवांगन, थाना प्रभारी गंज निरीक्षक दीपक पासवान, थाना प्रभारी तेलीबांधा निरीक्षक अजय झा, थाना प्रभारी गोलबाज़ार निरीक्षक स्वराज त्रिपाठी, थाना प्रभारी देवेंद्रनगर निरीक्षक दिपेश सैनी तथा थाना प्रभारी मौदहापारा निरीक्षक शक्ति सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

VY Hospital में अब Hetarth Speech & Hearing Centre के सहयोग से शुरू हुई Hearing Aid Clinic

रायपुर (विश्व परिवार)। NABH Accredited VY Hospital, ने श्रवण स्वास्थ्य को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल की है। अस्पताल अब Hetarth Speech & Hearing Centre के सहयोग से 'Hearing Aid Clinic' का संचालन करेगा।

इस क्लिनिक का उद्देश्य लोगों को सुलभ और विशेषज्ञ श्रवण सेवाएं उपलब्ध कराना है। अब मरीजों को श्रवण परीक्षण, हियरिंग एड ट्रायल, ट्यूनिंग और परामर्श जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर नाममात्र शुल्क पर मिलेंगी।

हमारी सेवाएं : श्रवण परीक्षण एवं परामर्श - Hearing Assessment & Counselling, हियरिंग एड ट्रायल एवं सेटिंग - Hearing Aid Trial & Tuning, डिजिटल हियरिंग एड मार्गदर्शन - Digital Hearing Aid Guidance, निरंतर मार्गदर्शन एवं सहायता - Follow-up Support क्लिनिक का नेतृत्व - इस क्लिनिक का नेतृत्व डॉ. अनुपमा जोशी - ENT Consultant, श्री एस. यादव - Audiologist, एवं श्री विवेक साहू - Audiologist करेंगे। VY Hospital के प्रवक्ता ने बताया कि 'बढ़ती उम्र के साथ सुनने की समस्या आम है।

सीजीपीएससी के आधिकारिक स्पष्टीकरण ने कांग्रेस के दुष्प्रचार की खोली पोल : भाजपा

■ प्रदेश प्रवक्ता उज्जवल दीपक ने कहा : तथ्य सामने आने के बाद कांग्रेस युवाओं से मांगे माफी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) द्वारा सूबेदार / उप निरीक्षक संवर्ग / प्लाटून कमांडर परीक्षा - 2024 के प्रारंभिक लिखित परिणाम को लेकर जारी आधिकारिक स्पष्टीकरण ने पूरे विवाद को समाप्त कर दिया है। आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि जिन नामों को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाया जा रहा था, वे संबंधित अभ्यर्थियों द्वारा स्वयं ऑनलाइन आवेदन में दर्ज किए गए वास्तविक नाम हैं तथा पूरी भर्ती प्रक्रिया उन्हीं नामों के आधार पर संचालित हुई है। आयोग ने सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक दावों का आधिकारिक रूप से खण्डन किया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने कहा कि प्रारंभिक तौर पर जब परिणाम में कुछ असामान्य नाम सामने आए, तब सामान्य अभ्यर्थियों की तरह उन्हें भी संदेह हुआ। इसलिए उन्होंने स्वयं सीजीपीएससी को टैग करते हुए आयोग से आग्रह किया कि यदि यह तकनीकी या टंकण सम्बन्धी विषय है तो तत्काल सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी किया जाए, ताकि प्रदेश के युवाओं के मन में किसी प्रकार का भ्रम न रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस विषय पर राजनीतिक लाभ लेने के बजाय संस्थागत स्पष्टता की मांग की थी। आयोग ने अब अधिकृत प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी तथ्यों को सार्वजनिक कर दिया है। इसके बाद इस विषय पर किसी प्रकार के घोटाले अथवा हेरफेर के आरोप स्वत: निराधार सिद्ध हो गए हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शुक्रवार 07 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

विश्वसनीय संकेत अभी नहीं

क्या नए बिल और निलेकणी समिति के गठन से समस्याएं दूर हो जाएंगी? संभवत: नहीं, क्योंकि वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसके कुछ कारण नीतिगत हैं, तो कुछ सिस्टम में अंदर तक पहुंचा कथित भ्रष्टाचार। नरेंद्र मोदी सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों का तकनीकी समाधान पेश करने की कोशिश की है। इसके अलावा कानूनी उपाय के जरिए अपने सख्त इरादे का संदेश देने का प्रयास उसने किया है। मगर अंदाज वही पुराना है: मीडिया में मोटी सुर्खियां बनाने वाली घोषणाएं करना, जिससे लोग मानने लगें कि सरकार सब कुछ दुरुस्त करने के लिए सचमुच दृढ़-संकल्प है! इस साल नीट पेपर लीक होने के बाद ऐसी ही धारणा बनाने के लिए निर्णय लिया गया था कि दोबारा होने वाली नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र वायु सेना के विमान से भेजे जाएंगे! उसी राह पर चलते हुए अब केंद्र ने पेपर लीक से संबंधित कानून को पहले से ज्यादा सख्त बनाने का बिल पेश किया है। मगर सख्त कानून, अत्यधिक कड़ी सज़ा के प्रावधान, और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसी बातें विभिन्न मामलों में इतनी बेअसर साबित हुई हैं कि उनसे युवा वर्ग को संतुष्ट करना अब कठिन हो सकता है। परीक्षा तंत्र को तकनीकी रूप से दुरुस्त करने के उपाय सुझाने के लिए नंदन निलेकणी की अध्यक्षता में बनी समिति उपजी शिकायतों को दूर कर पाएगी, इसकी संभावना भी कम ही है। इसलिए कि पेपर लीक या शिक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों की वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसकी कुछ वजहें नीतिगत हैं, जबकि ज्यादा दिक्कत सिस्टम में फैले कथित भ्रष्टाचार से उभरी है। यहां इसे अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि कितना भी दोषमुक्त डिजिटल सिस्टम कायम कर लिया जाए, वह संदिग्ध नियुक्तियों, संस्थाओं की कमजोरी, और शासन-तंत्र में नैतिकता के ह्रास से उत्पन्न होने वाली समस्याओं की भरपाई नहीं कर सकता। ना ही उससे शिक्षा को मुनाफे के कारोबार में तब्दील करने वाली नीतियों से बनी स्थिति का समाधान ढूंढा जा सकता है। पेपर लीक के हालिया मामलों में अंदर तक पहुंच रखने वाले लोगों, कोचिंग संस्थानों, और लीक पेपर खरीदने को तैयार लोगों के बाजार की मिलीभगत के गंभीर आरोप लगे हैं। नीलेकणी समिति इसका क्या समाधान पेश करेगी? अत: मामला व्यवस्थागत है, जिसका सीधा संबंध राजनीतिक इच्छाशक्ति से है। इस स्थिति को सरकार सचमुच बदलना चाहती है, इसके विश्वसनीय संकेत अभी नहीं मिले हैं।

हथकरघा: विकसित भारत के भविष्य की बुनाई

श्री गिरिराज सिंह

किसी विकसित राष्ट्र का निर्माण सिर्फ तकनीक से ही निर्धारित नहीं होता। उसका खाका स्थायी खूबियों को भावी प्रगति के वाहक के रूप में बदल सकने की क्षमता से गढ़ा जाता है। अब जबकि हमारा देश 'विकसित भारत 2047' की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हम अत्याधुनिक तकनीकों में निवेश कर रहे हैं, मैन्यूफैक्चरिंग को सुदृढ़ बना रहे हैं और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग को तैयार कर रहे हैं। फिर भी, हमारी हथकरघा परंपरा उन सबसे बड़ी खूबियों में से एक है जो हमेशा हमारे साथ बनी रही है। आगामी 7 अगस्त को जब भारत 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाएगा, तो यह हथकरघा को एक ऐसे रणनीतिक क्षेत्र के तौर पर देखने का उपयुक्त अवसर होगा जो टिकाऊपन, प्रामाणिकता और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला को महत्व देने वाली दुनिया के लिए बेहद अहम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का 'विकसित भारत 2047' का सपना समृद्धि, आत्मनिर्भरता, समावेशिता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास पर आधारित है। हथकरघा, विरासत और नवाचार को एक साथ जोड़कर इस सपने को साकार करता है। साथ ही, यह महिलाओं के नेतृत्व में विकास, ग्रामीण उद्यमिता, आजीविका और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है। रामचरितमानस में कहा गया है, सौरज धीरज तेहि रथ चाका। सत्य सील दृढ़ ध्वजा पताका बल बिबेक दम परहित घोरे। छमा कृपा समता रजु जोरे॥ विजय रथ के उपदेश में भगवान राम यह सिखलाते हैं कि स्थायी जीत शक्ति पर नहीं, बल्कि मूल्यों पर आधारित होती है। इन्हीं मूल्यों ने सदियों से भारत की हथकरघा परंपरा को टिकाए रखा है। हाथ से बुना हुआ हर कपड़ा परंपरा को बनाए रखने के साहस, हर धागे को बेहतरीन बनाने के धैर्य, ईमानदार कारीगरी की निष्ठा और पीढ़ियों से चली आ रही समझदारी को दर्शाता है। यही कारण है कि हथकरघा महज एक शिल्प नहीं, बल्कि भारत की महानतम सभ्यतागत खूबियों में से एक है। सबसे पहले

कपास की खेती एवं बुनाई करने वाली सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैश्विक व्यापार में भारतीय वस्त्रों के दबदबे वाली अठारहवीं सदी तक, भारत ने वैश्विक स्तर पर वस्त्र निर्माण की उत्कृष्टता के सर्वोच्च मानक स्थापित किए। बंगाल के प्रसिद्ध मलमल के साथ-साथ बनारसी सिल्क, कांचीपुरम की बुनाई, पोचमपल्ली इकत और अनगिनत क्षेत्रीय परंपराओं ने भारत को दुनिया भर में पहचान और प्रशंसा दिलाई। बंगाल का मलमल तो इतना महीन होता था कि 25 मीटर लंबा कपड़ा भी एक अंगूठी से होकर गुजर जाए। आज जब दुनिया प्रामाणिक, टिकाऊ और हाथ से बने उत्पादों की ओर मुड़ रही है, तो हमारे पास उस अग्रता को फिर से हासिल करने का एक ऐतिहासिक मौका है। हमारी अगली हथकरघा क्रांति के दौरान सिर्फ वस्त्र ही नहीं, बल्कि कारीगरी, विरासत, नवाचार और भरोसे का भी निर्यात होना चाहिए ताकि हाथ से बुना हर उत्पाद 'ब्रांड इंडिया' की पहचान बन सके। हथकरघा भारत का सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है। यह 35 लाख से अधिक बुनकरों व उनसे जुड़े कामगारों की आजीविका का सहारा है। इन कामगारों में से लगभग 72 प्रतिशत महिलाएं हैं। पिछले दशक में, सरकार ने 'कच्चा माल आपूर्ति योजना', 797 हथकरघा क्लस्टरों, 1.24 लाख से अधिक उन्नत करघों, लगभग 97,000 कारीगरों के कौशल विकास और उत्पादक कंपनियों, जीआई टैग वाले उत्पादों, हैंडलूम मार्क, इंडिया हैंडमेड सर्टिफिकेशन, अर्बन हाट और डिजाइन रिसोर्स सेंटर जैसी पहलों के जरिए इस सेक्टर को सुदृढ़ किया है। आज 29 'बुनकर सेवा केन्द्र' प्रशिक्षण, कौशल के उन्नयन, डिजाइन के विकास, कच्चे माल संबंधी सहायता और बाजार से जोड़ने जैसी सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। वहीं, 11 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी को सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि उन्नत प्रशिक्षण के प्रसार को बढ़ाया जा सके और विशेष प्रकार के अधिक मूल्य वाले हथकरघा उत्पाद बनाए जा सकें। ये पहलें हथकरघा को सिर्फ एक कल्याणकारी गतिविधि के तौर पर समर्थन देने से हटकर, इसे वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी एवं रचनात्मक उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में होने वाले एक बदलाव को दर्शाती हैं। आगामी 'राष्ट्रीय हथकरघा और हस्तशिल्प कार्यक्रम' 500 जिलों में 1,800 क्लस्टरों को सुदृढ़ करेगा, 65 लाख बुनकरों व कारीगरों को लाभान्वित करेगा और 'हैंडमेड इन इंडिया' को एक वैश्विक ब्रांड के तौर पर स्थापित करेगा। नवाचार हमेशा से भारत की हथकरघा से जुड़ी यात्रा का हिस्सा रहा है। महात्मा गांधी के अंबर चरखे ने सूत कातने के काम को आसान, तेज और अपेक्षाकृत अधिक कुशल बनाया। इससे आत्मनिर्भरता का विजन आगे बढ़ा। हाल ही में, असम के मैना करघे और शिवसागर में विकसित चित्तरंजन हथकरघे ने यह दर्शाया है कि करघे के बेहतर डिजाइन से बुनाई का काम कैसे आसान और अधिक उत्पादक हो सकता है। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान (आईआईटी) के साथ मिलकर बनाया गया 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हैंडलूम टेक्नोलॉजी' ऐसे करघे विकसित कर रहा है जो हल्के, मजबूत और उपयोग में आसान हैं। ये करघे शारीरिक मेहनत को कम करते हैं और उत्पादकता बढ़ाते हैं। इसमें दिव्यांग लोगों के लिए भी सुविधाएं शामिल हैं। इस सेंटर के तहत, 'हैंडलूम 4.0' पहल उत्पादकता, गुणवत्ता और रखरखाव की निगरानी हेतु डिजिटल टूल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करती है। इस पहल को अलग-अलग राज्यों में बड़े पैमाने पर कार्यान्वित करने से पहले 100 करघों पर प्रायोगिक परियोजना के तौर पर आजमाया जा रहा है। तकनीक को कारीगरों की जगह लेने के बजाय उनके सशक्तिकरण का जरिया बनना चाहिए। 'विजनएक्सट' जैसे प्लेटफॉर्म मांग का अनुमान लगाने, डिजाइन के रुझानों की पहचान करने, हथकरघे के असली उत्पादों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने और बुनकरों को सीधे दुनिया के बाजारों से जोड़ने में मदद कर सकते हैं। साथ ही, प्रीमियम सिल्क, नेचुरल फाइबर, सस्टेनेबल फाइबर और इनोवेटिव ब्लेंड्स जैसे उत्पादों में विविधता लाकर अधिक मूल्य वाले उत्पाद बनाए जा सकते हैं और नए बाजारों तक पहुंचाए जा सकते हैं। बेहतर ब्रांडिंग, मूल्य वर्धन (वैल्यू एडिशन) और बाजार तक सीधी पहुंच के जरिए ये नवाचार बुनकरों की आय में काफी बढ़ोतरी कर सकते हैं। हमारा विजन हर बुनकर को सम्मानजनक और बेहतर आय कमाने में सक्षम बनाना है ताकि आने वाले वर्षों में वे 50,000 रुपये प्रति माह तक की कमाई अर्जित कर सकें। हथकरघे का भविष्य बाजार के साथ-साथ सोच पर भी निर्भर करता है। हमारे बुनकर सिर्फ कामगार नहीं हैं। वे उद्यमी, नवोन्मेषक और मूल्य सृजित वाले हैं। उन्हें ब्रांड बनाने, मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने और दुनिया के बाजारों तक पहुंचने में मदद करके, हम हथकरघा को भारत के सबसे गतिशील रचनात्मक उद्योगों में से एक बना सकते हैं। भारत के युवाओं से भी एक आहवान है कि वे हथकरघे के अगले अध्याय को आकार देने के लिए विरासत एवं तकनीक, रचनात्मकता और उद्यमशीलता को एक साथ जोड़ें। इस राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर, आइए हम अपने बुनकरों का सम्मान सिर्फ हमारी विरासत के संरक्षक के रूप में ही नहीं बल्कि भारत की प्रगति के शिल्पकारों के रूप में भी करें। साथ ही, हम हथकरघा को अपने रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बनाएं। हमारे द्वारा खरीदा और पहना गया हथकरघा का हर उत्पाद एक बुनकर की आजीविका को मजबूत करता है, सदियों पुरानी एक परंपरा को संजोता है और भारत की कहानी को दुनिया तक पहुंचाता है। हथकरघा को अपनाकर, हम न सिर्फ अपनी विरासत को ओढ़ते हैं बल्कि 'विकसित भारत' के भविष्य को बुनने में भी मदद करते हैं।

(लेखक केन्द्रीय वस्त्र मंत्री हैं। ये उनके निजी विचार हैं।)

आलेख

यह सिर्फ धर्मेंद्र प्रधान का मामला नहीं

अजीत द्विवेदी

दुनिया के संभवत: किसी दूसरे देश में नैतिकता की उतनी बात नहीं होती होंगी, जितनी भारत में होती हैं। भारत ने दया, करुणा, सत्य, प्रेम, भाईचारे आदि के जितने प्रतीक गढ़े हैं, दुनिया के किसी और देश में उतने नहीं होंगे। भारत में तो एक सतयुग ही था, जिसमें सत्य हरिश्चंद्र थे। लेकिन यह भी सही है कि सत्य, अहिंसा, प्रेम, भाईचारे, करुणा, दया आदि से जितनी दूरी भारत में है उतनी शायद ही कहीं और होगी। इस पर लंबी बहस हो सकती है। इसलिए उसमें जाने की जरुरत नहीं है। लेकिन दुनिया के जिन देशों में सत्य और नैतिकता आदि का ढोल रोज नहीं बताया जाता है वहां लोग ज्यादा नैतिक होते हैं। वहां लोग नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं और अगर कोई अपराध किया है तो उसे भी स्वीकार करके सजा पाते हैं। भारत में कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेता है और अपराध करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया व्यक्ति भी अदालत में खड़े होकर कहता है कि वह बेकसूर है और उसका पूरा परिवार और ज्यादातर मामलों में पूरी जाति उसके बचाव में खड़ी होती है। भारत की राजनीति में भी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने का कोई सिद्धांत नहीं रहा है। नैतिक जिम्मेदारी लेकर कुछ मंत्रियों आदि ने जरूर इस्तीफे दिए, जिनकी आज तक चर्चा होती है। लाल बहादुर शास्त्री, माधवराव सिंधिया या नीतीश कुमार का जिक्र किया जाता है। यह संयोग है कि इन तीनों के इस्तीफे ट्रेन दुर्घटना को लेकर हुए थे। इनके रेल मंत्री रहते ट्रेन दुर्घटनाएं हुईं और उसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा दिया। यह अलग बात है कि रेल मंत्रालय में विफल होने के बाद भी इन सभी लोगों को दूसरे मंत्रालयों में अहम जिम्मेदारी मिली। लाल बहादुर शास्त्री तो बाद में प्रधानमंत्री बने। बहरहाल, भारत में गंभीर से गंभीर विफलता या आर्थिक अपराध में शामिल होने के आरोपों के बाद भी इस्तीफा कराना बड़ा मुश्किल होता है। आर्थिक अपराध के मामलों में तो अब गिरफ्तार होकर जेल जाने के बाद भी नेता इस्तीफा नहीं देते हैं। दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते अरविंद केजरीवाल ने कमाल की मिसाल बनाई। वे कई महीने जेल में रहे और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। हेमंत सोरेन ने थोड़ी शर्म दिखाई और गिरफ्तारी से चंद मिनट पहले इस्तीफा दे दिया। अगर गिरफ्तारी की बाध्यता नहीं होती तो वे भी इस्तीफा नहीं देते। सवाल है कि ऐसा क्यों होता है कि भारत में केंद्र या राज्य का मंत्री या मुख्यमंत्री किसी भी विवाद में फंसने या अपनी कैसी भी विफलता के बाद इस्तीफा नहीं देते हैं? इसे दो पहलुओं से देख सकते हैं। एक आपराधिक मामला और दूसरा विफलता व नैतिकता का मामला। जहां तक आपराधिक मामलों में फंसने पर इस्तीफे का सवाल है तो वह इसलिए आसानी से नहीं होता है क्योंकि भारत में पहले से जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं ऐसे, सैकड़ों लोग सांसद और विधायक चुने गए हैं। सवाल है जब गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने और उनकी जानकारी सार्वजनिक होने के बावजूद जनता उनको चुन देती है तो चुने जाने के बाद किए गए किसी अपराध के लिए वे क्यों इस्तीफा देंगे? जब जनता ने उनको सांसद चुन दिया है तो वे केंद्र में मंत्री बनने के योग्य हैं और जनता ने विधायक चुना है तो वे राज्य में मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। ऐसे में उनके और जनता के बीच में नैतिकता की बात कहां से आ गई! उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि जानने के बाद भी अगर जनता ने चुना है तो वे वैसे ही किसी अन्य अपराध के मामले में भी क्यों इस्तीफा देंगे? तभी भारत में ऐसे मामलों में भी जोर जबरदस्ती ही इस्तीफा होता है। गिरफ्तार होने या गिरफ्तारी की नौबत आने या पार्टी व सरकार के प्रमुख की ओर से राजनीतिक नुकसान की आशंका देख कर दबाव डालने के बाद ही इस्तीफा होता है। अब रही जिम्मेदारी के निर्वहन में विफलता की बात तो उसमें भी आजादी के बाद से ही यह परंपरा चलती आ रही है कि इस्तीफा जोर जबरदस्ती ही होगा। ध्यान रहे भारत में पहला हाई प्रोफाइल इस्तीफा वीके कृष्ण मेनन का हुआ था। चीन के साथ युद्ध में भारत की हार के बाद तत्कालीन रक्षा मंत्री कृष्ण मेनन पर दबाव था कि वे इस्तीफा दें।

इसीलिए कहते हैं इसे जन्तर मंतर, क्योंकि ये दिल मांगे मोर

(बेबाक हास्य-व्यंग्य रचना, बेबाक कलम से)

1. आंदोलन का गणित

कारण था कोई और, नारा था कोई और,
भीड़ जुटी कोई और, मंच सजा कोई और,
कुश्ती का था मामला और, बेबाक बोली बेटियाँ और,
न्याय माँगा था किसी ने और , क्रेडिट लिया था कोई और,
नतीजा निकला और, टीआरपी बढ़ी और,
टुइसलिए कहते हैं इसे जन्तर मंतर, क्योंकि ये दिल मांगे मोरट्टु

2. परीक्षा वाला तमाशा

सिलेबस था कुछ और, पेपर आया था कुछ और,
पढ़ा था कुछ और, पूछा गया कुछ और,
लीक किया कोई और, पेपर बेचा कोई और,
बेबाक बोला छात्र कोई और, पकड़ा गया था कोई और,
एग्जाम रद्द हुआ और, फिर से नीट हुआ जी और,
एग्जाम कर रहा था कोई और, पेपर पकड़ाया कहीं और
इस्तीफा दिया कोई और, मंत्री बना कोई और
टुइसलिए कहते हैं इसे जन्तर मंतर, क्योंकि ये दिल मांगे मोरट्टु

3. किसान वाला किस्सा

माँग थी MSP और ,बात हुई TSP वाली कोई और,
ट्रैक्टर भरकर आए कोई और, नारे लगाए कोई और,
खालिस्तानी भी बोले कोई और, किसान नाराज हुए कोई और,
बैरिकेड लगे थे चारों और , बेबाक आवाज़ खेतों से थी और,
आंदोलन की कमेटी बनी कोई और, वादा किया कोई और,
मांग बदली कहीं और, पंडाल बने कईं और,
तमाशा किए कहीं और, फसल सस्ती कर्ज़ महंगा हुआ और,
टुइसलिए कहते हैं इसे जन्तर मंतर, क्योंकि ये दिल मांगे मोरट्टु

4. इंफ्लुएंसर मीडिया के जन्तर मंतर का तनतर

मुद्दा था गंभीर और, रील बनी कुछ ही और,
प्लेकार्ड छोटा था और, फिल्टर था जोरदार और,
नारा लगाया कोई और , बेबाक राय दी कोई और,
फॉलोवर बढ़े कोई और, मुद्दा था जबकि कोई और ,
स्पॉन्सर का मेल और, आंदोलन का हाल बेहाल और,
मीडिया के प्रश्न कुछ थे और, दिखाया गया कुछ और,
रेटिंग बढ़ानी जो थी और, इसलिए खेल दिखाया और,
टुइसलिए कहते हैं इसे जन्तर मंतर, क्योंकि ये दिल मांगे मोरट्टु

5. कॉकरोच वाला कांड

कॉकरोच बोला कोई और, कॉकरोच सुना कोई और,
कॉकरोच समझा कोई और, कॉकरोच का बना मीम कोई और
ट्रेंड चला कोई और, अश्लीलता दिखाई कोई और,
बेबाक जनता थी कोई और, आर्मी पुलिस दिखी कुछ और,
कॉकरोच आंदोलन था कुछ और, बन गया अश्लीलता का अड्डा कुछ और,
भद्दे इशारे गालियां व पोस्टर थे कुछ और, नीट का सब्जेक्ट कुछ था और,
सोनम वांगचुक का नजरिया था कुछ और, टुकड़े गैंग का था षड्यंत्र कुछ
और, अशांति फैलाना था कुछ और, पलट गई बाजी देश की और,
पेपर लीक हुए अन्य राज्य में भी और, कॉकरोच नहीं दिखे वहां और,
झारखंड नहीं गया कोई और, पंजाब भी नहीं गया गैंग कोई और।
क्योंकि मंच नहीं था वहाँ दिल्ली सा और, सरकार भी दूजी थी और,
मतलब कुछ था और, कॉकरोच भी बदल गए कुछ और,
टुइसलिए कहते हैं इसे जन्तर मंतर, क्योंकि ये दिल मांगे मोरट्टु

6. जन्तर मंतर का वास्तु कुछ और

जन्तर मंतर पर आते हैं कोई और, जाते वक्त बदल जाते हैं ये और,
दिखते हैं कोई और, दिखाते हैं कोई और,
वास्तु होता है कोई और, वास्तु दोष बन जाते हैं कोई और,
विषय होता है कोई और, विषय बदल जाते हैं कोई और,
नाराज होते हैं कोई और, नाराजगी दिखाते हैं कोई और,
आमेर मानसिंह राजा ने सोचा था कुछ और,
खगोलीय वेधशाला दिखती थी और,
विज्ञान की प्रयोगशाला बदल गयी कुछ और,
देश का मुख्य धरना विरोध-प्रदर्शन स्थल बन गया ये और।
माँग सबकी अलग थी और , माइक अलग वक्ता था अलग और,
बना किसलिए था ये और, काम हो रहा कुछ ही और,
यही तो है वास्तु का दौर, टुइसलिए कहते हैं इसे जन्तर मंतर, क्योंकि ये दिल मांगे मोरट्टु

7. बेबाक कलम से

समस्या पुरानी थी और, समाधान नया बना कुछ और,
कैमरा घूमे चारों तरफ और, बयान बदले पल पल और,
घर जाओ तो बिल और, सड़क जाओ तो जाम और,
बेबाक जनता चाहती कुछ और, पर होता है कुछ ही और,
दिन सप्ताह और महीने बदल जाते हैं और,
भड़कते कोई और, भड़काते कोई और,
रविवार फिर आना है और, धरना फिर लगाना है और,
क्योंकि देश का दिल धड़के यहां कुछ और,
यहीं जन्तर मंतर में अलग अंदाज दिखते हैं कुछ और ,
जो राष्ट्र प्रेम करे उसका दर्द है कुछ और,
मत करो जन्तर मंतर को बदनाम और,
ये देश की प्राचीन धरोहर है खास और,
टुइसलिए कहते हैं इसे जन्तर मंतर, क्योंकि ये दिल मांगे मोरट्टु
टुइसलिए कहते हैं इसे जन्तर मंतर, क्योंकि ये दिल मांगे मोरट्टु
(ये हास्य-व्यंग्य रचना बेबाक निजी विचार हैं इससे किसी का वास्ता नहीं)

रचनाकार - जैन भूपेंद्र कोटड़िया

अंत में अब 'कॉकरोच' का लेबल!

हरिशंकर व्यास

सन् 2026 की 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच भारत में वह हुआ, जिसकी दुनिया के किसी लोकतांत्रिक देश ने कल्पना नहीं की। दुनिया के अखबारों, टीवी चैनलों और डिजिटल मंचों पर भारत बतौर 'कॉकरोच' की पहचान के साथ उभरा। कभी 'सांप-संपेरों के हिंदुस्तान' की इमेज थी। पर 1947 में स्वतंत्रता के बाद के दशकों में लोकतंत्र, भारत-निर्माण, आईटी, उभरती आर्थिकी, परमाणु ताकत, आईआईटी-आईआईएम सहित शिक्षा की बेहतरी तथा विशाल जनसंख्या के बाजार के नाते भारत प्रतिष्ठित हुआ। वह सब अब हाशिए में है और अब भारत 'कॉकरोच' है। भारत में मनुष्य, नवजात पीढ़ी 'कॉकरोच' है, जिस पर लाठियां, पैलेट गन की गोलियां बरसी। यह वैश्विक अजूबा है और तभी दुनिया के हर कोने में अखबारों के पहले पेज पर, बैनर हेडलाइंस, ब्रेकिंग न्यूज की तरह छपा। सवाल है, कौन दोषी, किसने कॉकरोच भारत बनाया है? क्या संघ परिवार और उसके प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह नहीं? इसलिए 'कॉकरोच' फर्जी हिंदू राष्ट्र, फर्जी अमृतकाल का वह कलंक है, जिससे भले मोदी सरकार और भक्त हिंदू शर्मिंदा न हों, लेकिन विश्व मानव समाज अवश्य 145 करोड़ लोगों के भारत को जुगुप्सा, वितृष्णा से देख, समझ रहा है। सोचें, इक्कीसवीं सदी में दुनिया में आगे भारत अब क्या इमेज लिए है? एक ऐसा देश, जो स्वयं को 'विश्वगुरु', 'लोकतंत्र की जननी', 'विकसित भारत' और 'विश्वबंधु' बताता है, वहां 'कॉकरोच' है, 'कॉकरोच राजनीति' है, 'कॉकरोच आर्थिकी' है, आदि-आदि। मोदी ने, अमित शाह ने पहले भारत के नागरिकों के आगे अनागरिक होने की तलवार लटकाई। पश्चिम बंगाल के लाखों दस्तावेज़युक्त वैध मतदाताओं को अनागरिक बनाकर उन्हें मताधिकार से बाहर किया। इसे चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट ने अपराध नहीं माना। फिर पूरे भारत के नागरिकों में ही मनुष्य को सर्वोच्च अदालत से 'कॉकरोच' परजीवी होने की तख्ती मिली! बावजूद इसके हिंदू राष्ट्र के भक्त हिंदुओं को शर्म नहीं आई, न ग्लानि हुई। इन हिंदुओं के हिंदू होने के डीएनए की सचमुच जांच होनी चाहिए। ये कौन से, क्या हिंदू हैं, इसका जवाब सनातन धर्म का शायद ही कोई ग्रंथ दे पाए। मैं हिंदू हूं, राष्ट्रवादी हूं और मुझे इतना सामान्य ज्ञान है कि सनातन धर्म में मानव जन्म को परम प्राप्ति कहा गया है। जन्म-जन्मांतर के विश्वासी हम सनातनियों का मूल सूत्र है कि मनुष्य, ईश्वर की सबसे बड़ी कृति है। भगवान ने (श्रीमद्भागवत पुराण 11.9.29) अपनी मायाशक्ति से वृक्ष, सरीसृप (सांप आदि), पशु, पक्षी, मच्छर, मछलियां आदि अनेक योनियां बनाईं। परंतु उन्हें तब तक संतोष नहीं हुआ, जब तक उन्होंने मनुष्य शरीर की रचना नहीं की। और ईश्वर स्वयं मनुष्य शरीर में ब्रह्म (ईश्वर) को जानने और देखने की बुद्धि देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए। ऐसा ही आदि शंकराचार्य का दिया सूत्र (विवेकचूड़ामणि, श्लोक 2) है कि समस्त प्राणियों में मनुष्य जन्म सबसे दुर्लभ है। मनुष्य होने के बाद पुरुषत्व, फिर वैदिक धर्म का मार्ग जानना, फिर विद्वान होना, और उसके बाद आत्मा-अनात्मा का विवेक प्राप्त करके ब्रह्म में स्थित होना, यह सब सौ करोड़ जन्मों के पुण्यों के बिना संभव नहीं है। तभी, जब मैंने चीफ जस्टिस का 'कॉकरोच' वाला वाक्य और बाद में उनकी सफाई सुनी, तो बतौर ब्राह्मण मुझे ग्लानि हुई कि हम आज के ब्राह्मण कैसे हैं! कितने अविवेकी, बुद्धिहीन हो गए हैं! देश की सर्वोच्च अदालत का चीफ जस्टिस मनुष्य पर 'कॉकरोच' का लेबल चस्पां कर रहा है! जाहिर है, चीफ जस्टिस का विवेक भी नरेंद्र मोदी नाम के कथित कल्कि अवतार के समय में ब्राह्मणों के विवेक, पुरुषत्व, ज्ञान और बुद्धि, सभी के पतन की बानगी है। सोचें, गंभीरता से सोचें कि चीफ जस्टिस के साथी जजों से लेकर सर्वज्ञ, अजैविक भगवान नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार के मंत्रियों, संघ और हिंदू साधु-संतों में किसी के भीतर भी इस शब्द को बदलवाने, शब्द-वापसी, पछतावा, शर्म या खेद प्रकट कराने की बुद्धि या हिम्मत नहीं आई।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, शुक्रवार 07 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दान और भक्ति से निखरता है जीवन, सिद्धत्व ही आत्मा का अंतिम लक्ष्य : निर्यापक मुनि श्री समतासागर महाराज

कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि दान और भक्ति मनुष्य के जीवन को स्वर्णिम बनाते हैं। दान से हृदय में उदारता का विकास होता है और भक्ति से आत्मा निर्मल बनती है। जब दान, भक्ति और सम्यक आचरण का समन्वय होता है, तब मनुष्य का जीवन धर्ममय बनकर सिद्धत्व की दिशा में अग्रसर होता है। सिद्धत्व ही प्रत्येक आत्मा का अंतिम और सर्वोच्च लक्ष्य है। धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुनि श्री ने णमोकार महामंत्र के पाँच पदों का आध्यात्मिक रहस्य समझाया। उन्होंने कहा कि णमोकार महामंत्र किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि गुणों का वंदन है। इसके पाँचों पद साधक को आत्मोन्नति और मोक्षमार्ग की ओर प्रेरित करते हैं।

मुनि श्री ने कहा कि अरिहंत वे हैं जिन्होंने अपने भीतर के समस्त राग-द्वेष और कषायों को जीत लिया है। उनका जीवन हमें आत्मविजय का संदेश देता है। सिद्ध परमेष्ठी वे हैं जिन्होंने जन्म-मरण के चक्र से पूर्ण मुक्ति प्राप्त कर ली है। सिद्ध अवस्था आत्मा की परम और शाश्वत अवस्था है, जहाँ अनंत ज्ञान, अनंत दर्शन, अनंत सुख और अनंत वीर्य का वास होता है। प्रत्येक जीव का वास्तविक लक्ष्य इसी सिद्ध पद की प्राप्ति होना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि आचार्य परमेष्ठी धर्मसंघ के मार्गदर्शक होते हैं। उनका जीवन अनुशासन, संयम और आदर्श नेतृत्व का प्रतीक है। उपाध्याय परमेष्ठी शास्त्रज्ञान के माध्यम से समाज को धर्म का प्रकाश प्रदान करते हैं, जबकि साधु परमेष्ठी तप, त्याग, संयम और साधना का सजीव उदाहरण होते हैं। इन पाँचों परमेष्ठियों के गुणों का स्मरण और वंदन करने से आत्मा में पवित्रता का संचार होता है।

मुनि श्री ने कहा कि केवल पूजा-अर्चना कर लेना ही पर्याप्त नहीं है। सच्ची भक्ति वही है जो जीवन में विनम्रता, करुणा, क्षमा, संयम और सेवा के संस्कार उत्पन्न करे। भक्ति यदि व्यवहार में परिवर्तन नहीं लाती, तो वह केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है। धर्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के अंतर्मन को बदलना और आत्मा को उसके शुद्ध स्वरूप की ओर ले जाना है।

उन्होंने दान की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि दान केवल धन का नहीं, बल्कि समय, ज्ञान, सेवा और सद्भाव का भी होना चाहिए। निष्काम भाव से किया गया दान अनेक जन्मों तक पुण्य का कारण बनता है। दान से अहंकार घटता है, परोपकार की भावना बढ़ती है और समाज में समरसता का वातावरण निर्मित होता है।

मुनि श्री ने कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य भौतिक उपलब्धियों के पीछे दौड़ते हुए आत्मकल्याण को भूलता जा रहा है। धन, पद और प्रतिष्ठा जीवन के साधन हो सकते हैं, साध्य नहीं। यदि जीवन में भक्ति, संयम और आत्मचिंतन का समावेश नहीं होगा, तो बाहरी सफलता भी स्थायी सुख नहीं दे सकेगी। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन कुछ समय आत्ममंथन, स्वाध्याय और प्रभु भक्ति के लिए अवश्य निकालना चाहिए।

उन्होंने कहा कि णमोकार महामंत्र का नियमित जाप मन को स्थिर, शांत और सकारात्मक बनाता है। यह मंत्र किसी से कुछ माँगने का मंत्र नहीं, बल्कि अपने भीतर श्रेष्ठ गुणों को जागृत करने का महामंत्र है। जब मनुष्य इन गुणों को अपने जीवन में उतारता है, तभी उसका जीवन वास्तव में सफल और सार्थक बनता है।

मेकाहारा में इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर के तीन सेवा प्रकल्प

■ कैंसर मरीजों व नवप्रसूता माताओं को मिला सहयोग

रायपुर (विश्व परिवार)। इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा), रायपुर में समाज सेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता को समर्पित तीन सेवा प्रकल्प आयोजित किए गए। इन प्रकल्पों के माध्यम से कैंसर मरीजों, नवप्रसूता माताओं एवं नवजात शिशुओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

प्रथम प्रकल्प के अंतर्गत ऑन्कोलॉजी विभाग को मरीजों की सुविधा के लिए दो व्हीलचेयर भेंट की गईं। द्वितीय प्रकल्प में विभाग को 10 इमरजेंसी रिचार्जेबल बल्ब प्रदान किए गए, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों की देखभाल सुचारु रूप से हो सके।

इसी क्रम में विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर स्त्री एवं प्रसूति रोग (गायनेकोलॉजी) विभाग में 66 नवप्रसूता माताओं को पोषण एवं शिशु देखभाल किट वितरित किए गए। प्रत्येक किट में दूध, दलिया, भुना चना एवं बेबी नैपी (डायपर) शामिल थे। इस अवसर पर माताओं को स्तनपान के महत्व तथा नवजात शिशुओं के उचित पोषण के प्रति भी जागरूक किया गया।

सेक्रेटरी नेहा अग्रवाल ने बताया कि इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक सेवा एवं सहयोग पहुंचाना है। क्लब समय-समय पर स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनकल्याण से जुड़े सेवा प्रकल्प आयोजित करता रहता है। मेकाहारा अस्पताल में आयोजित इन तीनों प्रकल्पों के माध्यम से कैंसर मरीजों, नवप्रसूता माताओं एवं नवजात शिशुओं को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर क्लब की प्रेसिडेंट पूजा अग्रवाल, पी.पी. संगीता गोयल, पी.पी. पूजा जैन, पी.पी. नम्रता दुबे, श्रीमती चंद्रिका नागवंशी एवं सेक्रेटरी नेहा अग्रवाल उपस्थित रहीं।

इनर व्हील क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर भविष्य में भी सेवा, संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जनहित में ऐसे प्रकल्प आयोजित करता रहेगा।

श्री बालाजी विद्या मंदिर में 'स्वस्थ विद्यार्थी, सशक्त भारत 'हस्त मुद्रा प्रशिक्षण कार्यशाला' का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से श्री बालाजी विद्या मंदिर में विद्यालय कंप्यूटर लेब में 'हस्त मुद्रा प्रशिक्षण कार्यशाला' का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक शिव नारायण मूंधड़ा (वास्तु मित्र) ने विद्यार्थियों को हस्त मुद्राओं का महत्व बताते हुए कहा कि नियमित अभ्यास से एकाग्रता, मानसिक शांति और आत्मविश्वास विकसित करने में सहायता मिल सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में हस्त मुद्राओं को अपनाने तथा स्वस्थ दिनचर्या, संतुलित आहार और सकारात्मक सोच के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कार्यशाला में GEN ALFA कक्षा 6वीं और 7वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान ज्ञान मुद्रा, प्राण मुद्रा, पृथ्वी मुद्रा, वायु मुद्रा तथा हाकिनी मुद्रा सहित अनेक उपयोगी हस्त मुद्राओं का अभ्यास कराया गया। विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी, तनाव प्रबंधन और मोबाइल के संतुलित उपयोग के संबंध में भी उपयोगी सुझाव दिए गए। उन्होंने जीवन मंत्र देते हुए कहा कि तनाव नहीं, तैयारी करें।

शांत मन ही सफलता की सबसे बड़ी शक्ति है।

विद्यालय के संचालक श्री जी स्वामी ने इस आयोजन को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों द्वारा 'प्रतिदिन 10 मिनट हस्त मुद्रा अभ्यास' करने के संकल्प के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में अध्यापकों ने भी अपनी उपस्थिति कराई।

संस्कार शिविर में मिले शिक्षा, ज्ञान, संस्कार से जीवन का निर्माण होता है: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

सीकर (विश्व परिवार)। वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी 36 साधु सहित सीकर में 58 वे वर्षायोग हेतु विराजित हैं। आचार्य वर्धमान सागर धर्म वात्सल्य वर्षायोग चातुर्मास समिति श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर बीस पंथ आम्नाय प्रबंध समिति द्वारा सकल दिगम्बर जैन समाज सीकर के सहयोग से आचार्य श्री वर्धमान सागर जी एवं साधुओं के सानिध्य में रत्नकरण्ड श्रावकाचार शिक्षण शिविर का आयोजन 9 अगस्त 2026 से 9 सितंबर 2026 तक आयोजित किया गया है जिसमें वयस्क वर्ग के लिए रत्नकरण्ड श्रावकाचार की कक्षा प्रात: एवं दोपहर को आयोजित की गई है इसी प्रकार बालकों के लिए बाल बोध प्रथम ,द्वितीय तृतीय भाग के कक्षा शाम को 6 से 7 तक आयोजित होगी। डा राजेश पंचोलिया के अनुसार चातुर्मास कमेटी एवं प्रबंध समिति को धार्मिक शिविर

के लिए आशीर्वाद देते हुए आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने बताया कि धार्मिक शिविर से बच्चे शिक्षा और संस्कार ग्रहण कर आगे चलकर भाग्य का निर्माण करते हैं। बच्चों को अच्छी शिक्षा ग्रहण करना चाहिए शिक्षा और संस्कार से सभी क्षेत्र चाहे व्यापार हो, नौकरी हो इसमें उन्नति करते हैं। बच्चों को लौकिक शिक्षा के साथ कुल मर्यादा को नहीं भूलना चाहिए। उन्हें देव दर्शन ,पानी छानकर पीना, रात्रि भोजन नहीं करना । सप्त व्यसनों से दूर रहना तथा अष्ट मुल गुण का पालन करना चाहिए, इन धार्मिक संस्कारों से जीवन में उन्नति होती है तथा सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा मिलती है जिन धर्म और जिन शासन की प्रभावना होती है। मुनि श्री मुमुक्षु सागर जी ने प्रवचन में कर्म सिद्धांत की विवेचना में बताया कि संसार में जैसे आप कार्य करते हैं उसे अनुसार कष्ट ,सुख और दुख पुण्य और पाप मिलता है ।संसार में अकेले आए हो अकेले जाना है कोई अपना सगा नहीं है ।कर्म सबके साथ एक जैसा न्यायाधीश बनकर व्यवहार करते हैं अमीर गरीब का भेदभाव नहीं है जैसे कर्म आप उपार्जित करते हैं उसे अनुसार फल मिलता है इसलिए तत्वों व और आत्मा के स्वरूप को समझें आपके भाव परिणाम कैसा है उस कारण कर्म उदय में आते है।

बीआईएस ने अवैध रूप से संचालित प्लांईवुड की दो फैक्ट्रियों पर तलाशी व जब्ती अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), रायपुर शाखा कार्यालय द्वारा उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा तथा गुणवत्ता मानकों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य सेप्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर दिनांक: 05 अगस्तल 2026 को जिला- रायपुर, छत्तीसगढ़ के दो प्लायवूड उद्योग क्रमश:-बालाजी पैनल्सल, उरला, रायपुर एवं फेयरडील पैनल्सो प्राईवेट लिमिटेड, बड़ौदा, विधानसभा, रायपुर के द्वारा बिना वैध बीआईएस लाईसेंस के निर्मित एवं विक्रय किए जा रहे प्लाईवुड के विरुद्ध तलाशी एवं जब्ती की कार्रवाई की गई। रायपुर शाखा कार्यालय के निदेशक एवं प्रमुख के नेतृत्वमें बीआईएस के दो दल का गठन कर तलाशी एवं जब्तय की कार्रवाई की गई। भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 की धारा 17 के अनुसार अधिसूचित उत्पादों का बिना मानक चिह्न अथवा बिना वैध BIS लाइसेंस के निर्माण, आयात, भंडारण, विक्रय अथवा वितरण करना प्रतिबंधित है। प्राप्त सूचना के आधार पर बीआईएस के अधिकृत अधिकारियों द्वारा संबंधित परिसर में तलाशी ली गई।

देश के प्रतिष्ठित मंचों की पहली पसंद बन रहे हैं कवि हृदय विकर्ष शास्त्री

मुंबई महानगर (विश्व परिवार)। देशभर में आयोजित होने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों में आज एक युवा नाम तेजी से अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है-कवि हृदय विकर्ष शास्त्री। अपनी ओजस्वी वाणी, प्रभावशाली मंच संचालन, प्रखर वक्तृत्व और जिनशासन के प्रति समर्पण के कारण वे देश के प्रतिष्ठित मंचों की पहली पसंद बनते जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश के एक छोटे से गाँव से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचे कवि हृदय विकर्ष शास्त्री ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और अनुशासित व्यक्तित्व के बल पर देश के अनेक बड़े धार्मिक आयोजनों में सफल मंच संचालन एवं निर्देशन का दायित्व निभाया है। उनकी सहज प्रस्तुति,

प्रभावशाली भाषा और श्रोताओं से आत्मीय संवाद की शैली ने उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाई है।

हाल ही में मुंबई महानगर में आयोजित भव्य मंगल कलश स्थापना महोत्सव में उनके उत्कृष्ट मंच संचालन एवं निर्देशन की व्यापक सराहना हुई। इस अवसर पर उनका सार्वजनिक रूप से सम्मान एवं बहुमान भी किया गया। उपस्थित संतजनों, आयोजकों एवं श्रद्धालुओं ने उनकी प्रतिभा की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

दिल्ली, मुंबई, गुवाहाटी, दीमापुर सहित देश के अनेक प्रमुख महानगरों में आयोजित कार्यक्रमों में कवि हृदय विकर्ष शास्त्री अपनी ओजस्वी वाणी से जिनशासन की प्रभावना कर रहे हैं। एक युवा विद्वान, कुशल मंच संचालक और प्रेरक वक्ता के रूप में वे समाज के लिए प्रेरणा बनकर उभर रहे हैं।

उनकी यह निरंतर बढ़ती राष्ट्रीय पहचान न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि जैन समाज के युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है। समाज को विश्वास है कि कवि हृदय विकर्ष शास्त्री अपनी प्रतिभा, विनम्रता और समर्पण के साथ भविष्य में भी जिनशासन की प्रभावना का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे।

मिशन उत्कर्ष के तहत जिले के सभी हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में मासिक टेस्ट शुरू

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने एवं बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा संचालित मिशन उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत 5 अगस्त 2026 से कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए प्रथम मासिक टेस्ट प्रारम्भ किया गया है। यह परीक्षा कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले के सभी शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में एक साथ आयोजित की जा रही है।

मिशन उत्कर्ष जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, वि ?द्यार्थियों की विषयगत समझ विकसित करने तथा बोर्ड परीक्षाओं की प्रभावी एवं व्यवस्थित तैयारी कराने के उद्देश्य

से संचालित एक महत्वाकांक्षी अभियान है। इस अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों की नियमित शैक्षणिक प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए मासिक परीक्षाओं की श्रृंखला प्रारंभ की गई है। प्रथम मासिक टेस्ट इसी श्रृंखला की पहली कड़ी है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों की तैयारी का आकलन कर आवश्यक शैक्षणिक सुधार की दिशा में कार्य किया जाएगा।

जिले के विषय विशेषज्ञ शिक्षकों एवं प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी द्वारा बोर्ड परीक्षा के ब्लूप्रिंट एवं पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रश्नपत्र तैयार किए गए हैं।

राघौगढ़ में श्रमण धारा प्रवचन माला, वर्तमान में शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य पैसा कमाना हो गया है

■ मुनि श्रमण सागर जी ने कहा विदेशी शिक्षा में अध्यात्म का उल्लेख नहीं

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। धर्मनगरी राघौगढ़ में ससंघ चातुर्मास कर रहे महान तपस्वी ओजस्वी वक्ता बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने श्रमण धारा प्रवचन माला में आज शिक्षा में अध्यात्मिक विषय पर मंगल प्रवचन करते हुए कहा भारतीय शिक्षा पद्धति से 6 उद्देश्यों की पूर्ति होती है। ज्ञानार्जन करना, जीने की कला सीखना, जीविकोपार्जन अथवा धन कमाना, नैतिकता सीखना, चरित्र का निर्माण करना और अध्यात्म की शिक्षा प्राप्त करना। आपने उदाहरण देते हुए कहा दूध से घी बनाने के लिए पहले दूध, दही,

छाछ, पनीर, फिर मक्खन इसके बाद घी बनता है। विदेश में दूध की यात्रा मक्खन तक है। विदेश में घी नहीं बनाया जाता है। इसी प्रकार विदेश में शिक्षा के माध्यम से ज्ञानार्जन जीने की कला, जीविकोपार्जन नैतिकता और चरित्र निर्माण तक यह यात्रा रुक जाती है। विदेशी शिक्षा में अध्यात्म का कहीं उल्लेख नहीं है। विदेश में भी नहीं बनाकर मात्र मक्खन की टिकिया का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार विदेशों में अध्यात्म की गंध कहीं नहीं है। हमारा दुर्भाग्य है कि भारत में भी विदेशी शिक्षा का फैलाव जोर-जोर से हो गया है। विदेशी शिक्षा पद्धति को अपनाकर भारत में भी नई पीढ़ी अध्यात्म से विमुख होती जा रही है।

मुनिराज ने प्रेरणा जी की लौकिक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को अध्यात्म की शिक्षा भी देना जरूरी है तब ही भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों की रक्षा होगी। अपने अंत में कहा कहावत है सुबह का भूला अगर शाम को वापस आ जाए तो उसे भूला नहीं कहते हैं। राघौगढ़ नगर में मूनि श्रमण सागर जी एवं मुनि ओंकार सागर जी महाराज के चातुर्मास मंगल कलश की स्थापना का कार्यक्रम आगामी 9 अगस्त रविवार को आचार्य विद्यासागर भवन में दोपहर 1 बजे से आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने इंदौर से प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी तरुण भैया जी पधार रहे हैं।

पुष्पगिरी के पट्टाचार्य पद प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होंगे स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण

■ पतंजलि योगपीठ में पुष्पगिरी तीर्थ ट्रस्ट ने सौंपा निमंत्रण, 15 16 अगस्त को पुष्पगिरी आने की दी सहर्ष स्वीकृति

हरिद्वार/देवास औरंगाबाद (विश्व परिवार)। 15 अगस्त को पुष्पगिरी तीर्थ में आयोजित होने वाले अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज के पट्टाचार्य पद प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर देशभर के संत-महात्माओं एवं आचार्यों से आशीर्वाद प्राप्त करने का क्रम जारी है। राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री 108 पुष्पदन्तसागरजी गुरुदेव के आदेश एवं उनके हस्तलिखित आशीर्वाद पत्र के साथ पुष्पगिरी तीर्थ ट्रस्ट मंडल का प्रतिनिधिमंडल विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर संतों को समारोह का आमंत्रण दे रहा है।

इसी कड़ी में प्रतिनिधिमंडल हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ पहुंचा, जहां योगगुरु स्वामी रामदेवजी महाराज एवं आचार्य बालकृष्णजी महाराज से आत्मीय भेंट कर उन्हें 15 अगस्त को आयोजित ऐतिहासिक पट्टाचार्य पद प्रतिष्ठा महोत्सव का निमंत्रण पत्र भेंट किया गया। इससे पूर्व प्रतिनिधिमंडल ने भीलवाड़ा में भारत गौरव आचार्य श्री पुलकसागरजी महाराज, जयपुर (गोलोक धाम) में आचार्य श्री प्रज्ञासागरजी महाराज, दिल्ली में आचार्य श्री अरुणसागरजी महाराज तथा मेरठ में आचार्य श्री सौरभसागरजी महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी संतों ने समारोह की अनुमोदना करते हुए अपने शुभकामना संदेश भी प्रदान किए।

आचार्य बालकृष्ण का मनाया जन्मोत्सव

पतंजलि योगपीठ में हुई भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आचार्य बालकृष्णजी महाराज का जन्मोत्सव भी बड़े आत्मीय वातावरण में मनाया। पुष्पगिरी तीर्थ ट्रस्ट एवं अंतर्मना गुरु भक्त परिवार की ओर से उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। इस अवसर पर छत्रपति संभाजीनगर से श्री खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष महावीरजी पाटनी ने समाज की ओर से वीडियो कॉल के माध्यम से आचार्य बालकृष्णजी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

ऋषभोदय तीर्थ, कड़कड़डूमा में विराजित दिगम्बर जैन पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव ने दिल्ली धर्मसभा को किया सम्बोधन

नई दिल्ली। राग व्यक्ति स्वयं ही करता है। द्वेष भी स्वयं करता है। राग-द्वेष में अंधा पुरुष हमेशा अनर्थ ही करता है। अनर्थ से बचना है, तो अर्थ (लक्ष्य) पर दृष्टि लगाओ।

योग्यता का दुरुपयोग मत करो

आपको जो योग्यता प्राप्त है, उसका सही प्रयोग करो। आप अपनी शक्ति, बुद्धि रचनात्मक कार्यों में लगाओ। अपनी शक्ति, ज्ञान को व्यर्थ व्यय मत करो। जीवन का हर-पल कीमती है। अपनी शक्ति ज्ञान, बुद्धि को विपरीत सोच, बुरे कार्यों में मत लगाओ।

आय अधिक, व्यय कम करो

धन का भी व्यर्थ व्यय मत करो।

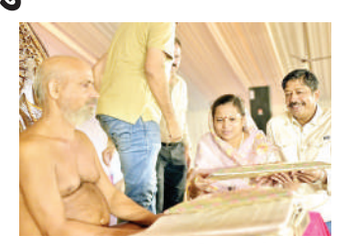

सृजन की ओर बढ़ो, विनाश से बचो। विचारशील बनो। आपका धन किसी के प्राणों की रक्षा कर सकता है। आपका धन किसी के प्राणों का घातक भी बन सकता है।

सुखी जीवन जीना चाहते हो तो आय से व्यय कम करो। जिसकी आय अधिक होगी और व्यय कम होगा, वह अनेक कष्टों से बच जाएगा।

शिष्य कैसा हो?

विनयवान, स्थिर, ज्ञान-पिपासु, विवेकी, आज्ञाकारी, अल्प भोजी, नैतिक, पाप भीरू ही श्रेष्ठ शिष्य होते हैं। जो परंपरा वर्धमान करे, वही सच्चा शिष्य होता है। जो गुरु के विश्वास को ना तोड़े, वही सच्चा-शिष्य होता है।

गुरु किसे बनाएँ

जो ज्ञानी हो, क्षमाशील हो, परिग्रह शून्य हो, धर्मवान हो, भक्त वत्सल हो, धीर - वीर - गम्भीर हो, विवेकी हो, तपस्वी हो, स्वाध्यायशील हो, ध्यानशील हो, शीलवान हो, जो शिष्य का उत्कर्ष चाहता हो वही सच्चा-गुरु होता है। जो तोड़े न, जोड़े, वही सच्चा योगी है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, शुक्रवार 07 अगस्त 2026

राखियों से संवर रही ग्रामीण महिलाओं की तकदीर, बिहान समूह बना आत्मनिर्भरता की मिसाल

गरियाबंद। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत गरियाबंद जिले की ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। जिला मुख्यालय के समीप स्थित ग्राम सढ़ौली का गायत्री स्व सहायता समूह अपने हुनर और मेहनत के दम पर आकर्षक राखियों का निर्माण कर न केवल अच्छी आय अर्जित कर रहा है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल भी बन गया है।

11 सदस्यीय इस समूह की महिलाओं ने इस वर्ष अब तक 50 दर्जन से अधिक राखियां तैयार कर ली हैं और निर्माण कार्य लगातार जारी है। खेती-किसानी और घरेलू जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बाद महिलाएं प्रतिदिन लगभग एक घंटे का समय निकालकर सुंदर एवं कलात्मक राखियां तैयार करती हैं।

समूह की अध्यक्ष भोजेश्वरी ध्रुव ने बताया कि पिछले वर्ष समूह ने 35 दर्जन राखियों का निर्माण किया था। धागा, मोती, फैंसी सामग्री एवं अन्य आवश्यक सामान की खरीदी पर लगभग 3,500 रुपये की लागत आई थी, जबकि तैयार राखियों की बिक्री से करीब 7,000 रुपये की आय प्राप्त हुई। इस प्रकार समूह ने लागत का लगभग दोगुना लाभ अर्जित कर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

पिछले वर्ष की सफलता से उत्साहित समूह ने इस बार लगभग 10 हजार रुपये की लागत से कच्चा माल खरीदा है। महिलाओं को विश्वास है कि इस वर्ष राखियों की बिक्री से पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना लाभ प्राप्त होगा, जिससे उनकी आय में और वृद्धि होगी।

समूह की महिलाओं का कहना है कि राखी निर्माण उनके लिए केवल अतिरिक्त आय का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, कौशल विकास और आर्थिक सशक्तिकरण का भी सशक्त जरिया बन गया है। इस कार्य ने उन्हें घरेलू जिम्मेदारियों के साथ स्वरोजगार का अवसर प्रदान किया है। समूह की सफलता में पीआरपी मीणा साहू के नेतृत्व, आरसेटी से प्राप्त प्रशिक्षण तथा जनपद पंचायत के बीपीएम हेमंत तिर्की, क्षेत्रीय समन्वयक प्रफुल्ल देवांगन एवं रचना देवांगन के सतत मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

संक्षिप्त समाचार

घर की परछी से उड़ाई एचएफ डीलक्स, 72 घंटे में पुलिस ने चोर को दबोचा

गरियाबंद। अपराध और आपराधिक गतिविधियों पर शिकंजा कसने के अभियान के तहत गरियाबंद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना छुरा क्षेत्र में घर की परछी से चोरी हुई एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल के मामले का पुलिस ने महज 72 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की बाइक बरामद कर ली। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देश पर जिलेभर के थाना प्रभारियों द्वारा मुखबिर तंत्र और पेट्रोलिंग को सक्रिय किया गया है। इसी अभियान के तहत थाना छुरा पुलिस ने ग्राम कनसिंघी निवासी चमन लाल कुजांम की शिकायत पर दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई की। प्रार्थी ने बताया था कि 1 अगस्त 2026 की रात करीब 3 बजे घर की परछी में खड़ी एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (क्रमांक सीजी 04 एमपी 9056) अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान 4 अगस्त 2026 को पुलिस ने एक संदिग्ध से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी गुलाब सिंह नागेश (35 वर्ष), निवासी कनसिंघी बोईरडीह, थाना छुरा ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने पास में रखी दूसरी मोटरसाइकिल की चाबी से प्रार्थी की बाइक स्टार्ट कर चोरी की थी।

आरोपी के कब्जे से चोरी की गई एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) एवं 331(4) के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

गिरफ्तार आरोपी- गुलाब सिंह नागेश (35 वर्ष), पिता भुनेश्वर नागेश, निवासी कनसिंघी बोईरडीह, थाना छुरा, जिला गरियाबंद।

बरामद सामग्री- एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एमपी 9056।

4 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, 2.35 लाख का माल जब्त

गरियाबंद,। जिले में नशे के अवैध कारोबार पर लगाम कसने के लिए गरियाबंद पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देश पर थाना क्षेत्रों में गांजा और शराब की अवैध तस्करी एवं बिक्री के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना छुरा पुलिस ने 4 किलो गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, थाना प्रभारी छुरा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो युवक मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एमजेड 2191 से अवैध रूप से गांजा लेकर बिक्री के उद्देश्य से परिवहन कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने कोसमबुड़ा चौक पर घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों की सघन जांच शुरू की।

जांच के दौरान मुखबिर द्वारा बताए गए मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में सफेद प्लास्टिक की बोरी से 4 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। मौके पर मौजूद गवाहों की उपस्थिति में गांजे का वजन कराया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 2 लाख रुपये आंकी गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टंकेश्वर साहू (22 वर्ष), निवासी मुड़ागांव, थाना छुरा, जिला गरियाबंद तथा राजेश चक्रधारी (32 वर्ष), निवासी फिंगेश्वर, थाना छुरा, जिला गरियाबंद के रूप में हुई।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 किलो गांजा, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन सहित कुल 2 लाख 35 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है।

आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत मामला दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

गिरफ्तार आरोपी

टंकेश्वर साहू, उम्र 22 वर्ष, निवासी मुड़ागांव, थाना छुरा, जिला गरियाबंद।

राजेश चक्रधारी, उम्र 32 वर्ष, निवासी फिंगेश्वर, थाना छुरा, जिला गरियाबंद।

जब्त सामग्री

4 किलोग्राम गांजा (कीमत लगभग 2 लाख रुपये)

मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एमजेड 2191 (कीमत लगभग 30 हजार रुपये)

एक मोबाइल फोन (कीमत लगभग 5 हजार रुपये)

सूरजपुर के दो वीएलई राज्य स्तर पर सम्मानित, ''टॉप ट्रांजैक्टिंग वीएलई'' का खिताब

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- 17वें सीएससी दिवस 2026 के अवसर पर राजधानी रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में सूरजपुर जिले के दो ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन एवं उत्कृष्ट सेवा योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह में श्री शैलेन्द्र कुमार कुशवाहा एवं श्री प्रशांत कुमार सरकार को ''टॉप ट्रांजैक्टिंग वीएलई (मल्टी सर्विस ग्रेड)'' श्रेणी में सम्मानित किया गया। दोनों उद्यमियों ने कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय एवं डिजिटल सेवाएँ उपलब्ध कराने में उल्लेखनीय कार्य किया है, जिसके फलस्वरूप उन्हें यह उपलब्धि प्राप्त हुई।

उल्लेखनीय है कि कॉमन सर्विस सेंटर ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इनके माध्यम से आम नागरिकों को शासन की विभिन्न ऑनलाइन सेवाएँ, प्रमाण पत्र, बैंकिंग एवं अन्य नागरिक सुविधाएँ अपने ही गाँव में सहजता से उपलब्ध हो रही हैं। सूरजपुर जिले के वीएलई द्वारा इस दिशा में किए गए कार्य की राज्य स्तर पर सराहना की गई।

दोनों वीएलई की इस उपलब्धि को पूरे सूरजपुर जिले एवं सीएससी परिवार के लिए गर्व का विषय बताया गया है। सम्मानित उद्यमियों को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गई हैं।

अग्रवाल महिला मंडल का सर्वसम्मति से गठन, ममता अग्रवाल बनीं अध्यक्ष

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-अग्रवाल महिला मंडल की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों की सहमति से श्रीमती ममता अग्रवाल को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। नई कार्यकारिणी में सीमा गर्ग को सचिव, रिंकी अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, सुमन गोयल एवं सोनू अग्रवाल को उपाध्यक्ष, सीमा गोयल को सह सचिव तथा काजल अग्रवाल को सह कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया।

संरक्षक मंडल में श्रीमती नयनकला गर्ग, कमलेश गोयल, लता गोयल, ललिता तायल, मीना गोयल, आशा अग्रवाल एवं विजया गर्ग को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मीरा अग्रवाल, मंजू गोयल, सपना अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, सोमिल अग्रवाल, गीता अग्रवाल, रेनी अग्रवाल, रेखा गोयल, उषा अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, नीता गोयल, कनक गोयल, पिंकी गोयल, कुसुम अग्रवाल, स्वाति गोयल, विधि अग्रवाल एवं पिंकी केजरीवाल को शामिल किया गया। इस अवसर पर सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। बैठक में सभी ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को मिल-जुलकर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के प्रति पूर्ण सहयोग एवं विश्वास व्यक्त करते हुए अग्रवाल समाज की सेवा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन पर 16 अगस्त से लगेगी लाइफलाइन एक्सप्रेस

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन की 256वीं लाइफ लाइन एक्सप्रेस परियोजना के अंतर्गत सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 02 में 16 अगस्त से 05 सितम्बर 2026 तक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस 卐हॉस्पिटल ऑन व्हील्स卐 में प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक ओपीडी सेवाएं संचालित होंगी, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच कर आवश्यकतानुसार नि:शुल्क शल्य चिकित्सा की जाएगी।

शिविर में विभिन्न रोगों के लिए अलग-अलग तिथियां निर्धारित की गई हैं। नेत्र रोग अंतर्गत मोतियाबिंद एवं दृष्टिदोष से संबंधित जांच 16 से 21 अगस्त तक तथा शल्य क्रिया 17 से 22 अगस्त तक होगी। कान से संबंधित मध्य कर्ण शल्य क्रिया एवं ऑडियोमेट्री जांच 22 से 27 अगस्त तक तथा सर्जरी 23 से 28 अगस्त तक की जाएगी। कटे-फटे होंठ एवं जलने से उत्पन्न संकुचन के उपचार हेतु प्लास्टिक सर्जरी की जांच 28 से 31 अगस्त तथा शल्य क्रिया 29 अगस्त से 01 सितम्बर तक होगी। इसी अवधि में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अस्थि रोग सुधार शल्य चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध रहेगी। दंत रोग संबंधी जांच एवं उपचार 01 से 05 सितम्बर तक तथा महिलाओं के लिए स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच व स्क्रीनिंग 16 से 21 अगस्त तक की जाएगी।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिलेवासियों से अपील की है कि लाइफ लाइन एक्सप्रेस के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के सदस्य नेत्र, कान, दंत अथवा अस्थि संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं, वे निर्धारित तिथियों में शिविर स्थल पर पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श एवं उपचार अवश्य प्राप्त करें। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों तक इस शिविर की जानकारी पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधियों, मितानिनों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहयोग का आह्वान भी किया है।

शिविर में उपचार हेतु आने वाले प्रत्येक मरीज को आधार कार्ड अथवा अन्य कोई पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। भर्ती किए जाने वाले मरीजों के साथ केवल एक परिजन को ही रहने की अनुमति दी जाएगी। अधिक जानकारी अथवा किसी भी प्रकार की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 7039673973 पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला उत्तर बस्तर कांकेर छ.ग.

दूरभाष क्रमांक 07868-241559 (कार्या) फैक्स 24149 ई-मेल आईडी sp-kanker.cg@nic.in

क्रमांक/पुअ/कांकेर/रीडर-1/ P-2164_A /2026, कांकेर दिनांक 03/08/2026

//नीलामी आमंत्रण सूचना//

सर्व साधारण एवं संबंधित वाहन मालिको को सूचित किया जाता है कि जिला कांकेर के विभिन्न थानों के द्वारा धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के विभिन्न प्रकरणों में जप्तशुदा वाहनों का माननीय न्यायालय कलेक्टर, जिला दण्डाधिकारी जिला उत्तर बस्तर कांकेर के द्वारा राजसात आदेश पारित कर नीलामी किये जाने हेतु आदेशित किया गया है। उक्त आदेश के परिपालन में निम्नांकित वाहनों का **नीलामी दिनांक 02.09.2026 के 12.00 बजे** रक्षित केन्द्र, सिंगारभाट कांकेर में वाहन जहां है जैसी है कि शर्त पर किया जाना है वाहन रक्षित केन्द्र कांकेर में खड़ी है जिसे कार्यालय समय पर अवलोकन कर सकते है। वाहन का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	थाना	वाहन का विवरण	क्र.	थाना	वाहन का विवरण
1	कांकेर	कार रीजड CG 04DY 3500	18	नरहरपुर	इंडिका कार CG07M 5664
2	कांकेर	मार्शल CG 18D 0007	19	नरहरपुर	मो.सा. CG05AC 4885
3	कांकेर	बोलेरो CG 19C0948	20	नरहरपुर	होण्डा एक्टीवा CG05AB 7095
4	कांकेर	स्कार्पियो CG 07ZG 9900	21	चौकी हल्वा	एचएफ डिलक्स SOLD
5	कांकेर	एक्टीवा CG 04KX 2358	22	चौकी दुधावा	डीआई टरबो CG19J 0461
6	कांकेर	एचएफ डिलक्स बिना नम्बर	23	चौकी दुधावा	स्पेलेंण्डर CG23AH 9475
7	कांकेर	स्कुटी होण्डा CG04MK 2939	24	भानुप्रतापपुर	स्कार्पियो CG05T 0252
8	चारामा	होण्डा साईन CG04CV 9093	25	भानुप्रतापपुर	बोलेरो CG05F 0793
9	चारामा	स्कार्पियो CG04HC 6125	26	भानुप्रतापपुर	एचएफ डिलक्स CG19BJ 3412
10	चारामा	स्पेलेण्डर CG05W 0988	27	चौकी दमकसा	हिरो पैशन CG19BJ 8239
11	चारामा	एचएफ डिलक्स CG05X 1256	28	चौकी कच्चे	बजाज पलसर CG12CS 9225
12	चारामा	स्कुटी CG 05C 2580	29	अंतागढ़	एक्टीवा CG05AA 3765
13	चारामा	स्कुटी टीवीएस CG019BL 7231	30	सिकसोड़	हिरो होण्डा CG19BG 8736
14	चारामा	बजाज प्लेटिना CG19BF 3208	31	पखांजूर	बोलेरो पिकअप MH 33G 0802
15	कोरर	ट्वेरा CG11BB 4220	32	पखांजूर	स्टार सिटी CG08J 5649
16	कोरर	टीवीएस स्पोंटस CG19BC 9113	33	पखांजूर	स्कूटी फसीनो बिना नम्बर
17	कोरर	बोलेरो CG07AH 4110	34	पखांजूर	मो.सा. CG 05 S 8273

1. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि 25/08/2026
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 27/08/2026 (15:00 बजे तक)
3. निविदा खोले जाने की तिथि 02/09/2026 (12.00 बजे)

नोटः- अधिक जानकारी एवं निविदा प्रपत्र के लिए एमटी शाखा रक्षित केन्द्र कांकेर में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते है।

G-262702568/5

पुलिस अधीक्षक
उत्तर बस्तर कांकेर

एसईसीएल के ठेकेदार नाला में भरा मलवा पानी निकासी का रास्ता बंद

डी एम क्यू कालोनी जल मग्न मौके पर अपनी टीम के साथ जांच करने पहुंची नायब तहसीलदार पिलखा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की डीएमक्यू श्रमिक कालोनी में एस ई सी एल बिश्रामपुर क्षेत्र के ठेकेदार ने नल का बाउंड्री तोड़कर नल नहीं छोड़ दिया जो मोहल्ले वासियों के लिए सर दर्द बना हुआ है नाला में मालवा भर जाने के कारण पूरा जाम हो गया जिससे पानी का बरसाती पानी का जल निकासी नहीं हो पाने के कारण कॉलोनी के घरों में घुस रहा है जिस मोहल्ले वासी काफी परेशान नजर आ रहे हैं मोहल्ले वासियों ने नगर पंचायत शिवनंदनपुर एवं पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह से शिकायत कर उचित कार्रवाई करने की मांग की।

एस ई सी एल के ठेकेदार ने कॉलोनी के सेफ्टी के लिए बना नल का चारदीवारी बाउंड्री को जेसीबी मशीन से तोड़ दिया जिससे वर्षों से नाला में मालवा बिखरा हुआ है जिससे पानी के बाहर रुक गया और पूरा जाम हो गया पानी निकासी के अभाव में पूरा जल कॉलोनी के क्वार्टर में वर्षों से बरसात के सीजन में पानी से भर जाता है जो कॉलोनी वासियों के लिए जीना मुश्किल कर देता है।

एस ई सी एल बिश्रामपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के सामने स्थित कालोनी में स्थित नाला में जल निकासी हो नहीं पाता बारिश का पानी अब नाला से न जा कर सीधे श्रमिकों के घरों में घुस रहा है। कॉलोनी की सड़कें तालाब में तब्दील हो गई हैं और परिवारों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वार्ड पार्षद मनी बगा, भाजपा नेता सीती कांत स्वाई सहित कालोनीवासियों का आरोप है कि जिस नाले से वर्षों तक बारिश का पानी निकल जाता था, उसे कुछ अतिक्रमण कारियों व एस ई सी एल के ठेकेदार ने पाट दिया है तो वही भू माफ़िया जमीन की अवैध प्लाटिंग कर बेच दी है जिससे बारिश होते ही पूरा कालोनी जलमग्न हो जाता है। कई घरों में पानी भरने से घरेलू सामान खराब हो रहे हैं, वहीं बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनी वासियों ने नगर पंचायत शिवनंदन को नायक तहसीलदार पिलखा से शिकायत की जिसपर नगर पंचायत शिवनंदनपुर ने भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुनील कुमार सिन्हा एसईसीएल विश्रामपुर के क्षेत्रीय महाप्रबंधक को नोटिस जारी कर वार्ड क्रमांक 12 गुरुघासीदास वार्ड स्थित डीएमक्यू कॉलोनी के पेट्रोल पंप के समीप जाम पड़े नाले की तत्काल सफाई कराने का कदम उठाए नहीं तो नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 3 (खण्ड-18) के तहत कार्रवाई की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी एसईसीएल प्रबंधन की होगी। इस पत्र की प्रतिलिपि कलेक्टर सूरजपुर, एसडीएम, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा नगर पंचायत अध्यक्ष को भी भेजी गई है।

आज मौका निरीक्षण पर पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह, राजस्व निरीक्षक श्रीमती मिश्रा पटवारी, एस ई सी एल बिश्रामपुर क्षेत्र के सतीश सिंघ ओवरसियर डी के सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुनील सिन्हा पहुंचे जहां पर तहसीलदार ने एस ई सी एल के कर्मचारियों को नाले को साफ करने का निर्देश दिया।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शुक्रवार 07 अगस्त 2026

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वन अधिकार अधिनियम एवं पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु बैठक

■ पेसा और वन अधिकार कानून का प्रभावी क्रियान्वयन राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल : मुख्यमंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज महानदी मंत्रालय भवन में वन अधिकार अधिनियम (Forest Rights Act-FRA) एवं पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम (PESA) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु गठित टास्क फोर्स की शीर्ष समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में पेसा कानून और वन अधिकार अधिनियम के बेहतर समन्वय, जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन तथा अनुसूचित क्षेत्रों के समग्र एवं सतत विकास के लिए आवश्यक रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेसा कानून का क्रियान्वयन ग्राम स्वशासन को सशक्त बनाने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम बने। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लगभग एक-तिहाई आबादी आदिवासी समाज से जुड़ी है। ऐसे में उनकी परंपराओं, अधिकारों और विकास को ध्यान में रखते हुए पेसा कानून का प्रभावी और आदर्श मॉडल विकसित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पेसा कानून अनुसूचित क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों के हितों की रक्षा करता है। इससे स्थानीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, ग्राम सभाओं की भूमिका को मजबूती, रोजगार के अवसरों के विस्तार तथा संतुलित एवं सतत विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसा मॉडल तैयार करना है, जिससे विकास और जनभागीदारी साथ-साथ आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम (FRA) और पेसा कानून (PESA), दोनों कानूनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर ही अनुसूचित क्षेत्रों में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोनों कानूनों के प्रावधानों को एकीकृत दृष्टिकोण से लागू करते हुए योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पेसा कानून का उद्देश्य ग्राम स्वशासन को मजबूत करना, स्थानीय संसाधनों पर समुदाय की सहभागिता बढ़ाना तथा समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों तक सही जानकारी पहुँचाई जाए तथा किसी भी प्रकार के भ्रम का तथ्यात्मक निराकरण किया जाए।

बैठक में छत्तीसगढ़ पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) नियम, 2022 के तहत पेसा प्रावधानों के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अंतर्गत प्राप्त, निराकृत एवं लंबित व्यक्तिगत तथा सामुदायिक दावों की स्थिति, सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (Community Forest Resource Rights-CFRR) की मान्यता, संरक्षण एवं प्रबंधन की प्रगति तथा वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित किए जाने की प्रक्रिया की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

राज्य स्तरीय कार्ययोजना समिति करेगी समन्वय का कार्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पेसा कानून के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा एक ही विषय पर बनाए गए अलग-अलग नियमों एवं प्रक्रियाओं के समन्वय के लिए राज्य स्तरीय कार्ययोजना समिति का गठन किया जाएगा, जो विभिन्न विभागों के नियमों का समन्वय एवं अभिसरण सुनिश्चित करेगी।

आंजनेय यूनिवर्सिटी: दीक्षारम्भ का समापन, अब शुरू हुई विद्यार्थियों की नई यात्रा

■ आप केवल कंप्यूटर बनने के लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए एक कॉन्ट्रिब्यूटर बनने आए हैं : उज्जवल दीपक

रायपुर (विश्व परिवार)। आंजनेय यूनिवर्सिटी में आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हुआ। अंतिम दिन विभिन्न संकायों द्वारा विद्यार्थियों के लिए परिचय सत्र, समूह गतिविधियाँ, प्रेरक व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपने प्राध्यापकों से परिचय प्राप्त किया साथ ही विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी हासिल की। विद्यार्थियों ने कहा,अब हमारी जर्नी शुरू हुई है। यहाँ हमें सीखने, नए मित्र बनाने और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिलेगा। प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर और मुख्य अतिथि श्री उज्ज्वल दीपक ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने कहा कि "Everything is possible to a willing heart." मन में दृढ़ इच्छा, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने का साहस हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप केवल कंप्यूटर बनने के लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए एक कॉन्ट्रिब्यूटर बनने आए हैं। आप लेखक बन सकते हैं, वैज्ञानिक बन सकते हैं, उद्यमी बन सकते हैं, देश के प्रधानमंत्री तक बन सकते हैं। आपकी पहचान आपकी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि आपका निरंतर प्रयास तय करता है। इसलिए स्वयं को लगातार आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते रहिए। इस अवसर पर कुलपति डॉ टी रामाराव ने कहा कि आपकी सबसे बड़ी ताकत आपकी जिज्ञासा और सीखने की इच्छा है। सोशल मीडिया पर समय बिताने के साथ-साथ स्वयं के विकास में भी निवेश करें। नई सोच, नवाचार और सकारात्मक दृष्टिकोण ही आपको भीड़ से अलग पहचान दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि आज का समय केवल जानकारी एकत्र करने का नहीं, बल्कि उसे सही दिशा में उपयोग करने का है। प्रत्येक दिन कुछ नया सीखने, नए कौशल विकसित करने और चुनौतियों को अवसर में बदलने की आदत डालें। अपनी डिजिटल पहचान के साथ-साथ वास्तविक व्यक्तित्व को भी सशक्त बनाइए। कार्यक्रम में महानिदेशक डॉ बीसी जैन, डायरेक्टर डॉ जयेंद्र नारंग, , कुलसचिव डॉ रुपाली चौधरी, डायरेक्टर एकेडमिक डॉ संध्या वर्मा, सहित समस्त प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में नए विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कुशल विवेचना व प्रभावी कार्यवाही से दुषकर्म के आरोपियों को न्यायालय ने सुनाई कठोर सजा

■ केशकाल थाना प्रभारी विकाश बघेल के प्रभावी कार्यवाही से पांच आरोपियों में एक को आजीवन कारावास और चार आरोपियों को हुए 20-20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा

कोंडागांव (विश्व परिवार)। जिले के केशकाल थाना क्षेत्र में अगस्त सामूहिक दुषकर्म की घटना घटित हुई थी । इस घटना की रिपोर्ट दर्ज होते ही तत्काल थाना प्रभारी विकास बघेल द्वारा जांच करते हुए आरोपियों को धर दबोचा और प्रभावी विवेचना के साथ साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय में पेश किया । जिसके बाद न्यायालय ने पांचों आरोपियों को कठोर सजा सुनाई

कोंडागांव जिले के केशकाल थाना क्षेत्र में अगस्त 2024 में एक सामूहिक ब्लात्कार की घटना को आरोपियों ने अंजाम दिया था । घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज होते ही थाना प्रभारी विकाश बघेल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्यवाही प्रारंभ कर आरोपियों को पकड़ कर सलाखों के पीछे डाल दिया । कुशल विवेचना और प्रभावी कार्यवाही के चलते न्यायालय द्वारा पांचों आरोपियों में से एक को आजीवन कारावास और चार लोगों को 20 -20 वर्ष का कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है । केशकाल के युवा और तेज तर्रार थाना प्रभारी विकाश बघेल के उत्कृष्ट विवेचना, कर्तव्यनिष्ठा और न्याय के प्रति समर्पण मिशाल पेश करते हुए पीड़िता को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है । विकास बघेल के इस उल्लेखनीय कार्य की चरों ओर भूरी भूरी प्रशंसा होने लगी है । वहीं परिवार और मित्रगणों द्वारा उन्हें लगातार बधाई व शुभकामनाएं दिया जा रहा है।

रिसाली निगम में कार्यशाला, कामकाजी महिलाओं के अलावा पुरूष भी कर सकते है आवेदन

रिसाली (विश्व परिवार)। महिला उत्पीड़न के शिकायतों के निराकरण करने बनी समिति में अब पुरूष भी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंच सकते है। कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान बनाएं रखने के लिए आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर रिसाली निगम के सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मेरी भागीदारी संस्था के निशा देशमुख व अमोल मालुसरे ने समिति के गठन से लेकर शिकायत कर्ताओं की शिकायतों के संबंध में विस्तार से बताया।

निशा देशमुख ने बताया कि समाज में महिला एवं पुरूषों की सहभागिता बराबर है। हर कार्य स्थल पर महिलाएं बराबर अधिकार के साथ कार्य कर रही है। कई बार विषम परिस्थिति निर्मित होने पर महिलाएं शिकायत करने से डरती है। सम्मान में ठेस न पहुंचे इस बात का भय रहता है। उन्होंने उपस्थित महिला एवं पुरूष कर्मचारियों को जानकारी दी कि आंतरिक परिवाद समिति में आवेदन और कार्यवाही दोनो ही गोपनीय रहती है। इसलिए शिकायत के बाद परिचय या फिर नाम सार्वजनिक होने का सवाल ही नहीं रहता। उन्होंने कार्यशाला में यह भी खुलासा किया कि प्रताड़ना संबंधी शिकायत पुरूष भी कार्यालय में गठित आंतरिक परिवाद समिति (आईसीसी) मे कर सकते है।

समिति स्वयं ले संज्ञान

कार्यकर्ता निशा देशमुख ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति का कार्य क्षेत्र वृहद है। कई बार पीड़िता भय की वजह से शिकायत नहीं करती। चर्चा में खुलासा होने पर समिति बैठक बुलाकर प्रकरण के संबंध में संज्ञान लेते हुए सुनवाई कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरी नहीं की पीड़िता ही सामने आए। घटना उजागर होने पर पीड़ित पक्ष की ओर से कोई भी शिकायत समिति के समक्ष कर सकता है। शिकायत की प्रमाणिकता आवेदक को स्वत: करना होगा।

निगम की कार्रवाई, नंदिनी रोड पर अवैध रूप से सड़क घेरकर रखी रेत जब्त

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार शहर में सड़क बाधित कर किए जा रहे अवैध अतिक्रमण एवं नियम विरुद्ध व्यापार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जोन क्रमांक-3 मदर टेरेसा नगर के राजस्व विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने नंदिनी रोड स्थित सीमेंट दुकान पर कार्रवाई की।

निगम को प्राप्त शिकायत के आधार पर जांच की गई, जिसमें दुकान संचालक द्वारा सड़क पर अवैध रूप से रेत रखकर यातायात में बाधा उत्पन्न करते हुए व्यापार किए जाने की पुष्टि हुई। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम ने सड़क पर रखी रेत को जब्त कर हटाने की कार्रवाई की तथा संबंधित संचालक को भविष्य में सार्वजनिक मार्ग पर निर्माण सामग्री रखकर अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़कों एवं मार्गों पर निर्माण सामग्री, रेत, गिट्टी या अन्य सामान रखकर आवागमन बाधित करना नियमों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। निगम प्रशासन ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण न करें और शहर की यातायात व्यवस्था एवं स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

CSPTCL की JE भर्ती में 43 पद खाली, अफसरों की लापरवाही से युवाओं का भविष्य अधर में : कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने राज्य विद्युत पारेषण कंपनी लिमिटेड (CSPTCL) की वर्ष 2023 की सहायक अभियंता (JE) एवं कनिष्ठ अभियंता (JE) भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी और प्रशासनिक उदासीनता पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि ऊर्जा विभाग के मुखिया स्वयं मुख्यमंत्री के होते हुए भी 43 योग्य युवाओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि वर्ष 2023 में CSPTCL द्वारा सहायक अभियंता (JE) के 52 तथा कनिष्ठ अभियंता (JE) के लगभग 346 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। अभ्यर्थियों को एक ही रोल नंबर आवंटित किया गया और उन्होंने एक ही दिन अलग-अलग पालियों में दोनों परीक्षाएं दी थीं। स्वाभाविक रूप से पहले सहायक अभियंता का परिणाम जारी कर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए थी, लेकिन विभाग ने इसके विपरीत पहले कनिष्ठ अभियंता का परिणाम घोषित कर नियुक्तियां दे दीं। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि इस निर्णय के कारण अनेक अभ्यर्थियों का चयन AE और JE दोनों पदों पर हुआ।

वीबी -जी राम जी अंतर्गत जिले की 476 ग्राम पंचायतों में 555 कार्य स्वीकृत

बलौदाबाजार। विकसित भारत- रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी- जी राम जी के अंतर्गत जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में ग्रामीण विकास एवं रोजगार सृजन की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। जिले की कुल 519 ग्राम पंचायतों में से 476 ग्राम पंचायतों के लिए 555 विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

योजनांतर्गत जिला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों में श्रमिकों की मांग के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसरों से जोड़ने पर विशेष बल दिया जा रहा है। स्वीकृत कार्यों में जल सुरक्षा, जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक मूलभूत अधोसंरचना के निर्माण को प्राथमिकता दी गई है।

बच्चों ने निकाली भव्य कावड़ यात्रा, 'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंजा वीआईपी रोड

रायपुर (विश्व परिवार)। सावन माह के पावन अवसर पर बच्चों में धार्मिक संस्कार और श्रद्धा भाव जागृत करने के उद्देश्य से वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर से मौल श्री विहार तक एक विशेष कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया।

इस यात्रा में छोटे-छोटे बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी बच्चे केसरिया टी-शर्ट में नजर आए। कंधे पर छोटी-छोटी कावड़ और हाथों में जल कलश लेकर बच्चे 'बम-बम भोले' और 'हर-हर महादेव' के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। बच्चों के चेहरे पर भक्ति और उत्साह साफ झलक रहा था।

यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में भक्तों ने पुष्प वर्षा कर बच्चों का स्वागत किया। अभिभावक और स्थानीय नागरिक भी बच्चों के साथ चलकर इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में सहयोगी बने। आयोजकों ने बताया कि बच्चों को भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं से जोड़ने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे। इस कावड़ यात्रा ने पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना दिया। श्रद्धालुओं ने इस अनोखी पहल की सराहना की।

नंदई व टाकापारा में हुई अतिक्रमण पर कार्यवाही

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम द्वारा यातायात में बाधित तथा बारिश का पानी निकासी में अवरोध अतिक्रमण हटाने अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कल नंदई कोठारपारा रोड में अतिक्रणम की तैयारी को आयुक्त जी.आर. मरकाम की उपस्थिति में जे.सी.बी. से तोड़ा गया। वही टाकापारा से रोड में रखे ठेले हटाए गये।

बारिश में साफ सफाई की दृष्टिकोण से एवं समुचित पानी निकासी के लिए नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता वार्डो में निरीक्षण कर निकासी में आये बाधा और आवागमन प्रभावित होने की दृष्टिकोण से अतिक्रमण हटाव अभियान चला रही है। वही मलमा मंडप के तहत रोड में व नाली जाम कर रखे बिल्डिंग मटेरियल एवं मलमा भी हटाने के साथ साथ गंदगी फैलाने पर जुर्माना की कार्यवाही कर रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com
पत्र क्र. /34183/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34183
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813B1117** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHA HAJIRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ARUNA HAJRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHANKAR KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHAGIRATH PRASAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com
पत्र क्र. /34124/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 06-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34124
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813F1155B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ABHA SOLANKI W/O INDRAJEET SINGH 2 IBHA SOLANKI W/O DURGESH SINGH SOLANKI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 AAMIR JAVED 2. AFROZ ALAM ANSARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1 JAVED HUSSAIN 2 MEHBUB SHOBHI ANSARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

अवैध शराब, जुआ, सट्टा एवं असामाजिक कृत्य करने वाले अपराधियों की अब खैर नहीं

■ कबीरधाम पुलिस का सख्त अभियान जारी।

कबीरधाम (रत्नेश गुप्ता)। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव (आई.पी.एस.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन में जिले भर में अवैध शराब, जुआ, सट्टा एवं अन्य असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विभिन्न थाना क्षेत्रों में आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपियों के कब्जे से अवैध शराब जप्त कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई

थाना कवर्धा पुलिस ने अपराध क्रमांक 310/2026 के तहत धारा 36(सी) आबकारी अधिनियम के अंतर्गत आरोपी राजेश यादव (35 वर्ष) निवासी हड्डीपारा रोड, कवर्धा के विरुद्ध कार्रवाई की। आरोपी द्वारा अवैध रूप से लोगों को शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही थी। पुलिस ने मौके से 90 मिलीलीटर की 40 पाव देशी शराब जप्त की, जिसकी अनुमानित कीमत 40 रुपये है। थाना पांडातराई पुलिस ने अपराध क्रमांक 102/2026 में धारा 34(1)(ख) आबकारी अधिनियम के तहत आरोपी नंदकुमार पटेल (33 वर्ष) निवासी ग्राम कांपा के कब्जे से 3000 मिलीलीटर (लगभग 17 पाव) महुआ शराब, जिसकी कीमत 600 रुपये, तथा 100 रुपये नगद जप्त किए। इसी प्रकार अपराध क्रमांक 103/2026 में धारा 34(1)(ख) आबकारी अधिनियम के तहत आरोपी जलेश्वर यादव (22 वर्ष) निवासी ग्राम कांपा के कब्जे से 3000 मिलीलीटर (लगभग 17 पाव) महुआ शराब, जिसकी कीमत 600 रुपये, तथा 50 रुपये नगद जप्त किए गए।

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION CO. LTD.
(A GOVERNMENT OF CHHATTISGARH UNDERTAKING) (A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB)
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, CITY CIRCLE-I, RAIPUR
Website - www.cseb.gov.in Office Mail ID – secc.raipur@cspc.co.in Phone No. 0771-2574800, 2574801 Fax No. 0771-2574805

NOTICE INVITING TENDER THROGU E-BIDDING

E-tenders are invited against below tenders of following work:-

S. N.	Tender No.	Name of work	Value of contract (Without GST)	EMD Amount (online)	Last date & Time of submission of bids	Due date of Opening
1	TR-2026_50 Dt. 06.08.2026 RFX No. 8100053522	Awarding contractfor engagement of 1 Skilled and 2 Unskilled employees for attending FOC work, D.O. TMC Works & Revenue realization work i.e. RC/DC work under the jurisdiction of Shankar Nagar Zone Under EE City Dn. East, CSPDCL Raipur (Avanti Vihar Gayatri Nagar)	15,98,256/-	15,983/-	Dt. 27.08.2026 upto 02:30 PM	Dt. 27.08.2026 upto 03:00 PM
2	TR-2026_51 Dt. 06.08.2026 RFX No. 8100053524	Awarding contractfor engagement of 1 Skilled and 2 Unskilled employees for attending FOC work, D.O. TMC Works & Revenue realization work i.e. RC/DC work under the jurisdiction of Rawanbhata Zone Under EE City Dn. South, CSPDCL Raipur (Boriyakhurd)	15,98,256/-	15,983/-	Dt. 27.08.2026 upto 02:30 PM	Dt. 27.08.2026 upto 03:00 PM
3	TR-2026_52 Dt. 06.08.2026 RFX No. 8100053526	Awarding contractfor engagement of 1 Skilled and 2 Unskilled employees for attending FOC work, D.O. TMC Works & Revenue realization work i.e. RC/DC work under the jurisdiction of Shastri chowk Zone Under EE City Dn. Central, CSPDCL Raipur (IAS Colony Devendera Nagar)	15,98,256/-	15,983/-	Dt. 27.08.2026 upto 02:30 PM	Dt. 27.08.2026 upto 03:00 PM

Details of Tender, Technical Specifications, Terms and Conditions etc are available on our website www.cseb.gov.in, www.cspdcl.co.in and **ebidding http:/cijsrp.cspdcl.co.in**The Tender document can also be downloaded from CSPDCL's official website mentioned above. The cost of required Tender fee (which is not refundable) of **Rs. 2000/-** including GST and EMD for each tender may be deposited by online through e-bidding.

SAVE ELECTRICITY Samvad- 48681/2

Superintending Engineer
City Circle-I, CSPDCL: Raipur

छत्तीसगढ़ शासन

समृद्ध छत्तीसगढ़ की
नई बुनियाद

हर परिवार को अपना पक्का घर

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)
7.81
लाख आवास पूर्ण

नियद नेल्ला नार योजना
2,169
आवास पूर्ण

पीएम जनमन योजना
16,063
आवास पूर्ण

मुख्यमंत्री आवास योजना
10,797
आवास पूर्ण

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

SAMVAD- 48627/34